राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–25 | अंक–08 | फरवरी, 2025 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य– ₹ 15

सीकर में आयोजित सेवा शिविर के दौरान स्काउट्स के साथ विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी एवं पूर्व सांसद श्री सुमेधानन्द सरस्वती तथा शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर

चित्रमय झलकियाँ

64वां रोवर मूट एवं 50वीं रेंजर मीट के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री भगीरथ जी चौधरी और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश भडाना का बधावा एवं गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा स्वागत करते हुए रोवर रेंजर

भरतपुर में युवा महोत्सव के अवसर पर प्रदेश के गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढम स्काउट गाइड के संग

पुष्कर अजमेर में रोवर मूट एवं रेंजर मीट के संभागियों को संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

जैसलमेर में आयोजित डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर के संभागीगण एवं उन्हें संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 08
फरवरी, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	राज्य मुख्य आयुक्त ने किया अवलोकन	5
•	राज्य स्तरीय रोवर/रेंजर डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर	7
•	भारत स्काउट व गाइड का स्मारक सिक्का	10
•	स्काउटिंग : एक जीवन यात्रा	10
•	लीडर ट्रेनर कोर्स पचमढ़ी	11
•	हिमालय वुड बैज शिविर : एक अविस्मरणीय अनुभव	11
•	जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैली (मिनी जम्बूरी) झूंझुनूं	12
•	गतिविधि दर्पण	14
•	स्काउट्स को हवाई यात्रा	20
•	विश्व स्काउट व गाइड चिन्तन दिवस	21
•	हमारे महापुरुष : सरोजिनी नायडू	24
•	हमारा स्वास्थ्य : योग के 10 फायदे	26
•	स्काउटिंग एक खेल	27
•	पर्यटन स्थल : जयसमन्द झील	28
•	दक्षता पदक	29
•	गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।
यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

रूकना नहीं बढ़ते जाना है

सर्वप्रथम मैं त्रिची तमिलनाडू में आयोजित हो रही गोल्डन जुबली जम्बूरी में सहभागिता कर रहे मेरे प्रदेश के सभी स्काउट गाइड व स्काउटर गाइडर को शुभकामनाएं देना चाहता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी की दृढ़–इच्छाशक्ति, आत्म–विश्वास और मेहनत के कारण ही सफलता हमारे पास खिंची चली आएगी और हम एक बार फिर सफलता के शिखर को चूमेंगे।

इस माह 22 फरवरी को जयपुर में नियमित गतिविधि के रूप में राज्य पुरस्कार रैली का आयोजन किया जा रहा है, परन्तु इस नियमित गतिविधि को नये आयाम जोड़ते हुए नवीन स्वरूप प्रदान करना है। आप सभी को मालूम ही है कि इसमें वर्षभर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी क्षमताओं को विकसित करते हुए अपनी दक्षता बढ़ाकर राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण करने वाले स्काउट्स गाइड्स को महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया जाता है। यह पावन दिवस इस संगठन के संस्थापक लार्ड एवं लेडी बैडन पॉवेल के जन्मदिन के उपलक्ष में विश्व स्काउट व चिन्तन दिवस के रूप में समारोह पूर्वक आयोजित किया जाता है। इसी दिन प्रदेश संगठन द्वारा नन्हें कब–बुलबुल को हीरक पंख और चतुर्थ चरण के प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी आगे की राह को प्रशस्त करने का प्रयास होता है तथा रोवर–रेंजर्स को निपुण प्रमाण पत्र से अलंकृत किया जाता है। यह एक ऐसा विशिष्ट दिन है जब संगठन के तीनों विभागों के बालक–बालिकाओं को सम्मानित होने का सुअवसर मिलता है। साथ ही व्यस्क लीडर्स को उनकी वर्षभर की सेवाओं के फलस्वरूप मेडल ऑफ मेरिट व दीर्घकालीन अवार्ड तथा संगठन को अद्वितीय सहयोग प्रदान करने वाले महानुभावों को धन्यवाद पत्र से अलंकृत कर हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

हमने अपने उद्देश्यों को ऊँचाई प्रदान की है, मेरा सभी से आव्हान है कि इस शिविर में नवीन कार्यक्रमों के समावेश से बालक–बालिकाओं में ऊर्जा–स्फूर्ति का संचार होगा। युवाओं की यही ऊर्जा और स्फूर्ति उनके स्वयं के और देश के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। सभी के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि राजस्थान प्रदेश सम्पूर्ण राष्ट्र में अग्रणी है, परन्तु हमारी मंज़िल यहाँ तक सीमित नहीं है, हमें रूकना नहीं है बस बढ़ते जाना है!

विश्व स्काउट व चिन्तन दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम ने एक बार जोधपुर में स्कूली बच्चों के बीच बैठकर सफलता के तीन सूत्र बताए – रचनात्मकता, उल्लास और साहस। ये तीनों ही सूत्र स्काउटिंग के मनोविज्ञान में सम्मिलित हैं और गत माह पुष्कर अजमेर में आयोजित राज्य स्तरीय रोवर मूट–रेंजर मीट तथा जैसलमेर में आयोजित डेज़र्ट ट्रकिंग शिविर में दिखलाई भी दिए। स्काउट नित् नये कार्य करता है, नई–नई विधाएं सीखता है। स्काउट गाइड सामुदायिक व शिविर जीवन में जो कुछ देखता व करता है, वह रचनात्मकता है। खुले आसमान के नीचे कलात्मक प्रवेश द्वार बनाना, गीत–संगीत, क्राफ्ट की गतिविधियां सब प्रतिभागियों को रचनात्मक बनाते हैं। कैसा भी मौसम हो बालचरों की उर्जा एवं जोश में कोई कमी नही आती, कैसी भी गतिविधि हो इनकी जिंदादिली देखते ही बनती है। यही रचनात्मकता, उल्लास और साहस हमें गोल्डन जुबली जम्बूरी में दिखानी है और प्रदेश संगठन का उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करना है।

हम स्वयं को सदैव गौरवान्वित महसूस करेंगे कि अपने जीवनकाल में हमें इस विश्वव्यापी सेवाभावी संगठन का सदस्य बनने का मौका मिला। बी.पी. ने अपने सैन्य जीवन के अनुभवों के आधार पर एक ऐसे संगठन की नींव रखी जो बालक–बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक, चारीत्रिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए पूर्णतः सैन्य अभियान की भांति अनुशासित रूप से पूरी ईमानदारी से अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रहा है।

मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

64वां रोवर मूट–50वीं रेंजर मीट । पुष्करघाटी, अजमेर

राज्य मुख्य आयुक्त ने किया अवलोकन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 64वां राज्य स्तरीय मूट 50 रेंजर मीट का आयोजन 26 से 30 दिसंबर के दौरान मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र पुष्कर घाटी, अजमेर पर किया गया।

भारत स्काउट व गाइड, राजस्थान प्रदेश के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने शिविर का विजिट किया तथा शिविर में सहभागिता कर रहे 400 युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। श्री आर्य ने शिविरार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री भगीरथ जी चौधरी और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाना द्वारा ध्वजारोहण के साथ शिविर का उद्घाटन किया गया।

सर्वप्रथम प्रातः कालीन सत्र में झंडा रोहण के दौरान भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दो मिनिट का मौन धारण कर संभागियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शिविर संचालक एवं कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुयश लोढ़ा ने बताया कि शिविर में प्रातः शिविर के झंडा रोहण के मुख्य अतिथि जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अजमेर जग नारायण

श्री भगीरथ चौधरी द्वारा झण्डारोहण से शिविर का शुभारम्भ

व्यास रहे।

इस क्रम में जिला मुख्य आयुक्त जग नारायण व्यास ने युवाओं को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को बताते हुए युवाओं को इससे सकारात्मक सदुपयोग को देखते हुए ही प्रयोग में लेने हेतु आह्वान किया। साथ ही आज का युवा जो नशे के गर्त में जा रहा है, को दृष्टिगत रखते हुए शिविर के 400 युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

श्री भगीरथ चौधरी का स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत

शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री निर्मल पंवार स्टेट एवं नेशनल कमिश्नर रोवर एवं वाइस चांसलर महात्मा ज्योतिबा फूले विश्वविद्यालय रहे। अध्यक्षता डॉ सूरज राव उप पंजीयक एमडीएस विश्वविद्यालय अजमेर ने की तथा विशिष्ट अतिथि महावीर सैनी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पुष्कर एवं भागचंद पंवार मजिस्ट्रेट पुष्कर रहे।

स्वछता कार्यक्रम आयोजित –

राज्य स्तरीय शिविर में बसन्त लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर के नेतृत्व में शिविर में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान के 7 संभागों की 7 दल बना कर टारगेट लेते हुए शिविर केंद्र परिसर एवं आस पास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर दो ट्रॉली कचरा एकत्रित किया गया। बाद में इस कचरे को नगर परिषद पुष्कर द्वारा डिस्पोज़ किया गया।

विधिक जागरुकता की दी जानकारी –

समापन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महावीर सैनी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पुष्कर एवं भागचंद पंवार मजिस्ट्रेट पुष्कर ने युवाओं को विधिक जागरुकता संबंधी जानकारी प्रदान की।

समापन कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें रोवर रेंजर के सात संभाग से सात टीमों ने भूकंप, बाढ़, अग्नि, प्राकृतिक आपदा के समय क्या क्या आवश्यक कार्य किए जा सकते हैं जिससे जान माल की हानि से जितना हो सके बचाव हो सके, के लिए जो कार्य हो सकते हैं उसका व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट में ग्रुप अभिलेख, क्रू कॉन्सिल, प्रदर्शनी, एसडीजी प्रॉजेक्ट, एमओपी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमे 250 रोवर रेंजर ने भाग लिया।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन– प्रदर्शनी प्रतियोगिता के अन्तर्गत सभी संभाग से निर्मित खाद्य सामग्री, वेशभूषा, खान पान, कृषि, उद्योग धंधे, हस्त कला द्वारा निर्मित सामग्री का उद्घाटन कर अवलोकन किया गया।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट अजमेर विनोद दत्त जोशी ने बताया कि शिविर में साहसिक गतिविधियों का शैलेश पलोड लीडर ट्रेनर स्काउट, गोविन्द नगा राम, सुरेश छाबा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस क्रम में टायर वाल, टायर चिमनी, टायर टनल, टायर जंपिंग, हैंगिंग टायर, लेडर क्रॉसिंग, मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज, मंकी क्रोल, टचिंग प्वाइंट, बैलेंस बीम, मलखम, हॉरिजोंटल बार, कमांडो हार्ड कॉलिंग, कमांडो ट्रेनिंग, ट्रेसल से नदी पार करना, गन शूटिंग, तीरंदाजी, रिंग फसाना, बंद आंख से तिलक लगाना, डब्बे गिराना का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ओम कुमारी चौहान सी.ओ. गाइड अजमेर, कल्पना शर्मा सी.ओ. गाइड अलवर, नरेन्द्र खोरवाल सी.ओ. अजमेर, भाविक सुथार सी.ओ. जगतपुरा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर, सुनील सोनी सी.ओ. डूंगरपुर, जितेंद्र भाटी सी.ओ. आबूपर्वत, अभय सिंह शेखावत एल.टी. स्काउट, विनोद मेहरा एल.टी. स्काउट, राकेश किर रोवर लीडर आदि उपस्थिति रहे।

संभागियों द्वारा साहसिक गतिविधि में सहभागिता

संभागियों द्वारा स्वच्छता अभियान में सेवा कार्य

शिविर रिपोर्ट

राज्य स्तरीय रोवर/रेंजर डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर

महेश कालावत, सी.ओ. स्काउट झुंझुनूं

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन के निर्देश के अनुसार राज्य स्तरीय रोवर रेंजर डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर का आयोजन दिनांक 19 से 23 दिसम्बर, 2024 तक जिला जैसलमेर में आयोजित किया गया। जिसमें राजस्थान के 28 जिलों के 96 रोवर, 91 रेंजर, 8 सदस्य संचालक दल, 5 सर्विस रोवर रेंजर एवं 05 अन्य सहित कुल 205 संभागियों का प्रतिनिधित्व रहा।

प्रथम दिवस : 19 दिसम्बर

प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित रोवर रेंजर्स का आगमन 18 दिसम्बर रात से ही प्रारम्भ हो गया था। रात्रि में ही पंजीकरण की कार्यवाही सी.ओ स्काउट महेश कालावत एवं सी.ओ. गाइड विजयलक्ष्मी वर्मा के नेतृत्व में प्रारम्भ हुई। राजस्थान प्रदेश के रोवर रेंजर्स के मुस्कुराते हुए चेहरों से लग रहा था कि राष्ट्र की युवा शक्ति रेत के धोरों में अपने साहसिक परचम को दिखाने के लिए जोश और उमंग से लबरेज है। पंजीकरण के दौरान ही सभी को आवास व्यवस्था दी गई जिससे सभी संभागी रोवर रेंजर्स एवं लीडर्स सन्तुष्ट नजर आये।

प्रातः सभी ने अल्पाहार किया तत्पश्चात ध्वजारोहण मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्यायुक्त जैसलमेर शंकर सिंह उदावत द्वारा किया गया।

दोपहर भोजन से पूर्व ही ध्वजारोहण के उपरान्त सभी को ट्रेकिंग सम्बंधित आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किये गये। जैसे शिविर नियम, दैनिक कार्यक्रम, रोटा चार्ट, मेडिकल, आवास, भोजन, नोटिस बोर्ड, यातायात, सुरक्षा, ग्रुप विभाजन, रोवर मेट, रेंजर मेट निर्धारण, ग्रुप इंचार्ज, कैम्प फायर, अनुशासन सहित सभी प्रकार की बातें बताई गई।

दोपहर भोजन के बाद सभी पटुओं की हवेली पहुँचे वहाँ का नैसर्गिक सौन्दर्य, पटुवों की हवेली की अद्भुत कलाकृति, प्रत्येक कलाकृति जो कि हाथ से बनाई हुई थी, दृशकों को अपनी ओर आकृर्षित कर रही थी। सबसे बड़ी खासियत यह थी कि पटुओं की हवेली के छतों पर सोने की पॉलिश की हुई थी। आजादी से पूर्व इस हवेली के मालिक बहुत बड़े व्यापारी थे जो कि जैसलमेर से पाकिस्तान, अफगानिस्तान, कंधार तक व्यापार करते थे एवं भारत से कन्धार तक व्यापार करने का सबसे सीधा एवं सुगम रास्ता यहीं से गुजरता था।

पटुओं की हवेली देखने के बाद सभी गढ़ीसर लेक पहुचे जहां का दृश्य बड़ा ही मनभावन लग रहा था। यहां पर विदेशी मेहमानों को देखकर लग रहा था कि सही मायने में जैसलमेर अपने आप में अनूठा एवं अद्भुत है। रात्रि में भोजनोपरान्त कैम्प फायर का आयोजन किया गया जिसमें रोवर रेंजर्स के लोकनृत्य देखने को मिले।

द्वितीय दिवस : 20 दिसम्बर

प्रातः अल्पाहार के तुरंत बाद स्वच्छता चेतना रैली हेतु हनुमान चौराहे के पास राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास पहुंचे, जहां जैसलमेर के महाराजा महारावल चैतन्य राज सिंह ने स्वच्छता चेतना रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए स्वच्छता का संदेश देते हुए गोपा चौक पहुंची। रास्ते में जगह–जगह शहर के व्यापारियों एवं गणमान्य लोगों ने पुष्प वर्षा कर रोवर्स रेंजर्स का स्वागत सत्कार किया।

तत्पश्चात जैसलमेर के किले का विजिट करवाया गया जो अपनी सौन्दर्य एवं अनुपम कला की छटा को दर्शा रहा था। पूरे किले में शहर बसा हुआ है। यहां की संस्कृति, पहनावा, बोलचाल, खानपान सच में लोक लुभावना लग रहा था। यहाँ की साफ–सफाई को देखकर लगा कि हमारा स्वच्छ भारत अभियान यहाँ पर सही मायने में सार्थक सिद्ध हो रहा। किले से सिटी व्यू पॉइन्ट से जैसलमेर देखने का नजारा ही कुछ और है। फिर बा हवेली, जैन मंदिर, राजदरबार की कुर्सी एवं लक्ष्मीनारायण मंदिर का अवलोकन किया गया।

रात्रि में राजस्थानी भोजन का आनन्द लेने के बाद शिविर ज्वाल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें रोवर रेंजर्स ने राजस्थानी गीत एवं नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी।

तृतीय दिवस : 21 दिसम्बर

आज का दिन सभी रोवर रेंजर्स को उस उद्देश्य की पूर्ति कराने वाला रहा जिस मूल उद्देश्य के लिए प्रदेश की युवा शक्ति

जैसलमेर में उपस्थित हुई है। प्रातःकाल भारत सरकार के हिट इण्डिया–फिट इण्डिया अभियान के अन्तर्गत रोवर रेंजर्स को योग, व्यायाम एवं प्राणायाम तथा बी.पी. सिक्स करवाया गया। तत्पश्चात अल्पाहार करके सभी को भोजन पैकेट भी दे दिये गये एवं ग्रुप वार बसों का आवंटन किया गया। सभी अपनी–अपनी आवंटित बसों से उल्लास, जोश और उमंग के साथ रवाना हुए। शिविर संचालक एल. आर.शर्मा ने बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

सभी को रामगढ़ विद्युत तापगढ़, घण्टियाली माता, तनोट माताजी, भारत पाक बॉर्डर, सम के धोरे, लोंगेवाला आदि स्थानों पर जाना था। बसें निर्बाध गति से दौड़ रही थी। रास्ते में वनस्पति को देखकर रोवर रेजर्स काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। दूर–दूर तक गांवों के निशान नजर नहीं आ रहे थे।

विद्युत तापगढ़ रामगढ़ से घण्टियाली माता मंदिर पहुचें यहां दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया और आगे बढ़ते हुऐ सभी तनोट माता पहुंचे। यहां से भारत पाक बोर्डर नजर आ रहा था।

सभी ने तनोट माता के दर्शन किये और देश की सुरक्षा, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। यहाँ मंदिर में 1965 के भारत–पाक युद्ध के दौरान पाकिस्तान से फेंके गये गोले व रॉकेट लांचर आज भी बिना फटे सुरक्षित रखे है। उस युद्ध में यहाँ पर कोई भी बम्ब, हथगोला, राकेट लांचर नही फटा। यह सब देखकर सभी रोवर रेजंर की आँखे विस्मयकारी हो गयी कि ऐसा भी चमत्कार माताजी के मंदिर के प्रभाव के कारण हुआ था।

तनोट माता जी से सभी भारत पाक बॉर्डर पहुचें। बॉर्डर की सुरक्षा में लगे हुए जवानों से सभी ने अनुभव सांझा किए, सामरिक महत्व की जानकारी प्राप्त की एवं रोवर्स रेंजर्स ने जीरो पोस्ट तक इण्डो पाक सीमा का अवलोकन किया।

बॉर्डर देखनेके बाद लोंगेवाला के लिए रवाना हो गये। यहाँ पर 1965 के भारत पाक युद्ध में पाकिस्तान के 3 टैंकर, 2 जीप व 1 सैनिक वाहन को भारतीय सेना ने कब्जा लिया था जो आज भी लोंगेवाला पोस्ट पर सुरक्षित रखें है। यहाँ पर भारत ने पाकिस्तान को जबरदस्त शिकस्त दी थी। लोगेंवाला के बाद पुनः सभी अपनी बसों से जैसलमेर की ओर रवाना हुये और जैसलमेर पहुँचे।

चतुर्थ दिवस : 22 दिसम्बर

प्रातःकाल योग व्यायाम, प्राणायाम करने के बाद अल्पाहार किया एवं राज्य मुख्यालय के स्वच्छता चेतना अभियान के अन्तर्गत गीता आश्रम (आवास) एवं आसपास के परिसर की साफ–सफाई कर प्लास्टिक उन्मूलन एवं कचरा प्रबंधन का संदेश रोवर रेंजर्स द्वारा दिया गया। तत्पश्चात् 10–10 के ग्रुप में कच्ची खाद्य सामग्री के पैकेट्स लेकर पीठ पर पीट्ठू लादे रोवर कुलधरा ट्रेकिंग के लिए रवाना हुए।

कल की लम्बी दूरी की यात्रा के बावजूद सभी रोवर–रेंजर तरोताजा, मधुर मुस्कान के साथ नजर आये और राष्ट्र के युवाओं का काफीला ग्रुप के अनुसार आगे बढ़ा। सभी लोग रेत के धोरो को पार करते हुये ऐतिहासिक महत्व कुलधरा पहुँचे। कुलधरा पालीवाल ब्राह्मणों का उजड़ा हुआ गांव है जिन्होंने यहां के राजा के अत्याचारों से तंग आकर रातों रात गांव को खाली कर दिया था। यहाँ बहुत पुरानी बावड़ी है जो पीने के पानी का उत्तम जल स्त्रोत रहा है और आज भी है।

रास्ते में पवन चक्कियां नजर आ रही थी। पवन चक्कियों के बड़े–बड़े प्लान्ट लगे हुए थे। सभी रोवर रेंजर्स अपनी मस्ती में सरोबार नाचते, गाते, उछलते, कूदते ट्रेकिंग के दौरान रेतीले धोरो के आन्नदायी पल अपने केमरे में कैद करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे।

खाबा फोर्ट को निहारते हुए आगे जसेरी तलाई (तालाब) पहुँचे, सभी को निर्देश प्रदान किये कि कोई भी पानी को गन्दा नही करेगा क्योंकि आस–पास के गांवो के लोग उस पानी को पीने के काम में लेते है।

रोवर रेंजर्स ने बिना बर्तनों से बनाया खाना : शिविर संचालक के निर्देश के बाद तालाब पर सभी ने अपने–अपने ग्रुपों में उपलब्ध संसाधनों से खाना बनाना शुरू किया जिससे अधिकांश का

पहला मौका ही था कि वो खाना बना रहे थे वो भी बिना बर्तनों के। रोवर रेंजर्स ने गोबर के कण्डे, उपले, लकड़ियां इक्कठी की और अपनी–अपनी रूचि के अनुसार खाना बनाने में जुट गये। अनेक प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाये और सभी ने अपने हाथ से बनाए भोजन का लुत्फ उठाया। ग्रुपवार संचालक दल ने रोवर रेंजर्स द्वारा बनाये गये लजीज एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द उठाया। यहां भोजन के बाद सभी को एकत्रित कर आगे के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सम के लिए रवाना किया।

रोवर रेंजर्स ने इतने ऊँचे–ऊँचे सम के रेतीले टीले देखकर दाँतों तले अंगुली दबा ली, लेकिन सभी ने रेत के बड़े–बड़े धोरो में फिसलने, चढ़ने, खेलने एवं झुमने तथा घूमने का आनन्द प्राप्त किया एवं हर कोई अपनी मस्ती से सरोबार नजर आया। दृश्य बड़ा ही विस्मयकारी था। यहाँ पर ऊँटों की भी भारी तादाद थी जो विदेशी व भारतीय पर्यटकों को धोरो में घुमाते हैं। हमारे सभी रोवर रेंजर्स ने भी ऊँटों की सवारी अर्थात केमल सफारी का भरपूर आनन्द लिया।

यहां से सूर्यास्त देखने का नजारा बड़ा ही रोमान्चकारी नजर आ रहा था। सूर्यास्त के बाद सब सम स्थित के.के.डेजर्ट रिसोर्ट पहुंचे जहां पर सभी रोवर रेंजर्स का स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात सभी ने अल्पाहार किया। आवास प्रभारी एवं सी. ओ. स्काउट झुंझुनूं महेश कालावत तथा जैसलमेर के रोवर लीडर मुकेश हर्ष ने सभी को विशेष क्वालिटी के टेन्ट अलोट किये। रोवर रेंजर्स अपने–अपने तम्बूओं में जाकर आल्हादित हो गये क्योंकि तम्बू के अन्दर ही शौचालय एवं स्नानघर की व्यवस्था थी। इतना ही नही शानदार बिस्तर एवं नहाने धोने के लिए गर्म पानी की व्यवस्था थी।

कैम्प फायर में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य रहे आकर्षक का केन्द्र :

आज हमारे बीच राजस्थान सरकार के पूर्व मुख्य सचिव एवं हमारे स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य (इन्टरनेशनल कमिश्नर) रात्रि कैम्प फायर कार्यक्रम में पहुंचे। संगठन की परम्परा के अनुसार आर्य साहब का बधावा, तिलक स्कार्फ एवं माल्यापर्ण द्वारा स्वागत सत्कार किया गया एवं श्रीमान के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया।

इस अवसर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री आर्य ने युवा तरूणाई को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग अभावों में बेहतर जीवन जीना सिखाती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को खुद अपनी मंजिल तय करके आगे बढ़ना होगा एवं अपने हुनर एवं कौशल को विकसित कर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र का नाम रोशन करें। इण्डियन आईडियल, आईपीएल, यूट्यूब का उदाहरण देते हुए श्री आर्य ने कहा कि इनके माध्यम से युवाओं को कैरियर बनाने के विभिन्न अवसर प्राप्त हुए हैं। श्री आर्य ने इस दौरान अनुशासन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रोवर रेंजर्स को अपने जीवन को अनुशासित ढ़ंग से जीना चाहिए।

इस दौरान विशाल शिविर ज्वाल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें रोवर्स रेंजर्स ने राजस्थानी लोक कला, संस्कृति का रंग बिखेरा। प्रत्येक जिले के संभागियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सभी रोवर रेंजर्स ने अपने–अपने संभागवार भी कार्यक्रम प्रस्तुत किये जो आकर्षण का केन्द्र रहे। के. के.डेजर्ट रिसोर्ट में सभी ने कैम्प फायर के बाद राजस्थानी भोजन का आनन्द लिया।

अन्तिम दिवस : 23 दिसम्बर

आज का दिन डेजर्ट ट्रेकिंग का अंतिम दिन, विदाई की बेला थी। प्रातः सर्वधर्म प्रार्थना सभा, फिर सम के धोरों में ध्वजारोहण पश्चात वहां पर सभी ने फोटोग्राफी का आनन्द लिया एवं सम के धोरों में देश की मिट्टी को स्पर्श किया। फिर लजीज एवं गर्मागर्म अल्पाहार पश्चात सामान जमा करवाना, लेकिन ये सब खामोशी के साथ।

विदाई की बेला लेकिन इससे पहले समापन समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह् भेंट करना। समापन समारोह का आयोजन संचालक दल के आतिथ्य में किया गया। प्रत्येक संभागी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शिविर संचालक दल ने सम्मानित किया। सभी रोवर रेंजर्स ने अपने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किये। इन मधूर स्मृतियों एवं यादगार पलों को सभी रोवर रेंजर्स ने अपने–अपने मोबाइल के केमरे में कैद किया।

इस दौरान रोवर रेंजर्स ने भारत माता का जयघोष एवं वंदे मातरम के नारों से आकाश को गुंजायमान कर दिया। विदाई की बेला, ध्वजावतरण, राष्ट्रगान, फिर बसों के माध्यम से जैसलमेर के लिए रवाना हुए। सभी रोवर रेंजर्स दोपहर में स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय, जैसलमेर पहुंचे और भोजन का आनन्द लिया। पुनः मिलने की मीठी यादों के साथ अपने–अपने गन्तव्य को रवाना हो गये।

आखिर में जैसलमेर जिले के सभी सर्विस रोवर्स रेंजर्स व स्काउट परिवार का कोटि–कोटि आभार जिसके दम पर यह भव्य आयोजन सफलता के शिखर को चूम सका।

इस दौरान शिविर संचालक श्री एल.आर. शर्मा (सी.ओ.स्काउट राज्य मुख्यालय), महेश कालावत सी.ओ. स्काउट झुंझुनूं, विजयलक्ष्मी वर्मा सी.ओ. गाइड उदयपुर, कृतिका पाराशर सी.ओ. गाइड जैसलमेर, मुकेश हर्ष रोवर लीडर जैसलमेर, स्काउट सचिव जुगत सिंह सोलंकी, स्काउट मास्टर राजेश कुमार, गाइड केप्टिन सीता चौधरी का उल्लेखनीय योगदान रहा। सम्पूर्ण डेजर्ट ट्रेकिंग को इन्होंने पूर्ण मनोयोग से संचालित किया।

भारत स्काउट व गाइड का स्मारक सिक्का

भारत स्काउट व गाइड के 75 वर्ष पूर्ण होने पर जारी रूपए 75 का सिक्का

भारत सरकार द्वारा भारत स्काउट व गाइड के 75 वर्ष (1950–2025) पूर्ण होने पर 75 रुपए मूल्य का स्मारक सिक्का जारी किया जाएगा। इस संदर्भ में वित्त मंत्रालय ने 6 जनवरी, 2025 को राजपत्र अधिसूचना जारी की है।

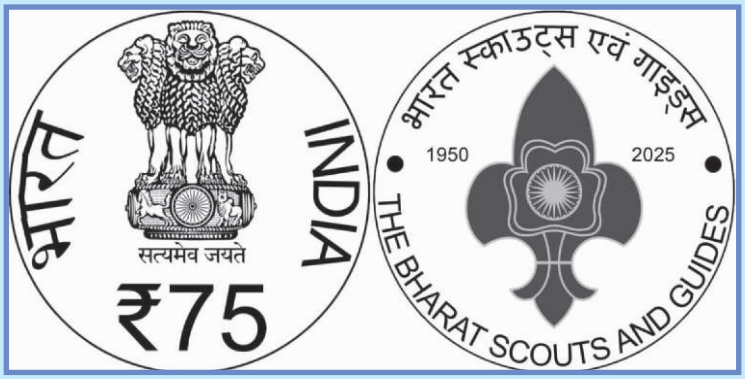

यह सिक्के का प्रतिकात्मक चित्र है, मूल सिक्का भिन्न हो सकता है।

सन् 1950 में स्थापित 'भारत स्काउट व गाइड' भारत में एक ऐसा राष्ट्रीय संगठन है जो युवा व्यक्तियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। 1950 में स्थापित, यह कैंपिंग, कौशल–निर्माण और सामाजिक कार्य जैसी गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व, टीमवर्क और सामुदायिक सेवा जैसे मूल्यों को बढ़ावा देता है। "तैयार रहें" के आदर्श वाक्य द्वारा निर्देशित, संगठन लड़कों और लड़कियों को जिम्मेदार नागरिक बनने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है। एकता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति प्रेम को बढ़ावा देता है।

ऐसे बनेगा सिक्का

75 रुपए के सिक्के की धातु संरचना में मिश्र धातु शामिल होगी, जिसमें 50 प्रतिशत चांदी, 40 प्रतिशत तांबा, 5 प्रतिशत निकल और 5 प्रतिशत जस्ता शामिल होगा। सिक्के का वजन 35 ग्राम होगा और इसका व्यास 44 मिमी होगा, जिसमें किनारे पर 200 दांते होंगे।

सिक्के का विवरण इस प्रकार है

सिक्के के आगे की तरफ:

सिक्के के बीच में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष अंकित होगा। जिसके नीचे "सत्यमेव जयते" लिखा होगा। बाईं परिधि पर देवनागरी लिपि में "भारत" शब्द और दाईं परिधि पर अंग्रेजी में "INDIA" शब्द अंकित होगा। इसमें सिंह शीर्ष के नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में रुपया चिह्न और मूल्यवर्ग 75 भी अंकित होगा।

पीछे की ओर:

सिक्के के बीच में भारत स्काउट्स और गाइड्स का लोगो होगा। भारत स्काउट्स और गाइड्स के लोगो के बाईं और दाईं ओर क्रमशः अंतरराष्ट्रीय अंकों में वर्ष 1950 और 2025 अंकित होगा। सिक्के के ऊपरी परिधि पर देवनागरी लिपि में "भारत स्काउट्स और गाइड्स" लिखा होगा और सिक्के के निचले परिधि पर अंग्रेजी में "भारत स्काउट्स और गाइड्स" लिखा होगा।

स्काउट की कलम से

स्काउटिंग : एक जीवन यात्रा

मनीष
श्री नारायण टी. टी. कॉलेज कुचामन, नागौर

हमने 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र ताऊसर, नागौर में अपना D-EL-ED पाठ्यचर्या में शामिल स्काउटिंग प्रशिक्षण पूर्ण किया। यहां हमें अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में स्काउटिंग के मौलिक ध्येय को आत्मसात करने का अवसर मिला।

स्काउटिंग का ध्येय है सेवा, कर्तव्य। कर्तव्य ईश्वर के प्रति, दूसरों के प्रति एवं इन सबसे बढ़कर अपने सर्वांगीण विकास के प्रति। स्काउटिंग एक आंदोलन है जो हमें सिखाता है अपनी सीमाओं को तोड़ना एवं अपने आस पास के वातावरण में शांतिमय एवं प्रेमपूर्ण माहौल बनाना।

स्काउटिंग हमें एक दीपक बनाता है जो स्वयं जलता है और दूसरों के जीवन में रोशनी फैलाता है।

शुभ स्काउटिंग

स्काउट की कलम से

लीडर ट्रेनर कोर्स पचमढ़ी

राकेश टॉक
रा.उ.मा.वि.कुंचौली, कुंभलगढ़

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र पचमढ़ी (मध्य प्रदेश) में राष्ट्रीय स्तर के लीडर ट्रेनर स्काउट कोर्स आयोजित हुआ।

इस शिविर में भारत के विभिन्न प्रदेशों से सम्मिलित हुए 34 संभागियों में प्रशिक्षण प्राप्त किया। राजस्थान दल के साथियों ने पचमढ़ी में प्रशिक्षण लेने के साथ ही अपने परंपरागत पहनावे, आभूषण, बोली तथा खान–पान से राजस्थान की संस्कृति की छाप छोड़ी। पधारो म्हारे राजस्थान के आवभगत के साथ ही अन्य प्रदेश के सभी साथियों के मन में प्रदेश की अच्छी छाप छोड़ी।

राजस्थान दल में सहायक राज्य संगठन आयुक्त कोटा दिलीप कुमार माथुर, सी.ओ. स्काउट जोधपुर छतर सिंह, सी.ओ. स्काउट बीकानेर जसवंत सिंह, सुगना राम चौधरी, अलवर से महेंद्र सिंह, दौसा से रामावतार शर्मा, पाली से आलोक शर्मा, पवन कुमार तथा राजसमंद जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली, स्थानीय संघ कुंभलगढ़ के शारीरिक शिक्षक राकेश टॉक ने राष्ट्रीय स्तर पर स्काउटिंग का सर्वोच्च लीडर ट्रेनर प्रशिक्षण प्राप्त कर राजस्थान दल लौटा। इस शिविर में एस.एस. राय डिप्टी डायरेक्टर स्काउट लीडर ट्रेनर पचमढ़ी, अरविंद श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश, करनल सिंह दिल्ली, मथिमारन सर साउथ रेलवे तमिलनाडु, मैडम कार्तिकायनी तमिलनाडु, सुबरता बराई महाराष्ट्र, पातरा सर असम व बाबूलाल कुमावत राजस्थान ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी संभागियों को मिले पोस्ट असेसमेंट के तहत भारत स्काउट व गाइड, नई दिल्ली के तहत संख्यात्मक वृद्धि का कार्य करने को मिले। व्यक्तिगत मिले लक्ष्य के अनुसार सभी प्रशिक्षणार्थी भारत स्काउट व गाइड के सदस्यों की बीएसजी आईडी बनाने का कार्य एक वर्ष में पूर्ण कर राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को अपना असाइनमेंट भेजेंगे।

स्काउट की कलम से

हिमालय वुड बैज शिविर : एक अविस्मरणीय अनुभव

श्रीकांत शर्मा, लालसोट, दौसा

मैं ने हाल ही में पुष्कर घाटी में आयोजित हिमालय वुड बैज कैम्प में भाग लिया, जो मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय अनुभव था। मैं टोली 1 'शेर' में था, जिसका नेतृत्व अनुभवी और मार्गदर्शक महोदय श्री रघुवीर सिंह ने किया था। टोली के सभी सदस्यों ने मुझे बहुत प्यार और अपनत्व दिया, उनमें समग्रता की भावना समाहित थी। सभी मेहनती और आपसी मेलजोल निभाने वाले लोग थे। कैम्प की शुरुआत से ही मुझे यह महसूस हुआ कि यह एक अद्वितीय अनुभव होगा। कैम्प साइट पुष्कर घाटी में स्थित थी, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। कैम्प साइट की सुंदरता ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मैं इसकी सुंदरता में इस प्रकार खो गया की सारे दिन अति व्यस्तता के बावजूद थकान नहीं हो रही थी और एक ताजगी सदैव शरीर में बनी हुई थी।

कैम्प के दौरान, हमने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें ट्रेकिंग एक शानदार अनुभव था, कैंपिंग, मैपिंग, प्राथमिक चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण, पायनियरिंग प्रोजेक्ट्स शामिल थे। इन गतिविधियों ने मुझे आत्मनिर्भर, साहसी और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद की।

श्री अभय सिंह शेखावत, श्री रघुवीर सिंह, श्री शैलेष पलोड, श्री राजेंद्र पारीक, श्री द्वारिका शर्मा, श्री बलराज सिंह, श्री प्यारेलाल महला, श्री सुभाष पारीक का प्रशिक्षण एवं पायनियर प्रोजेक्ट्स वाकई अद्भुत थे। भोजन भी श्रेष्ठ और समय पर दिया। कैंप में सब कुछ सुव्यवस्थित, समयबद्ध और अनुशासित था। कैम्प के एलओसी श्री पूरण सिंह शेखावत ने कैम्प को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनका हर संभव साथ दिया कैंप स्टॉफ ने, जिसकी जितनी प्रशंसा की जावे उतनी कम है। स्टाफ की योजना और कार्यनीति वाकई पूर्णतया उच्चतम स्तर की थी। मैंने सीखा कि जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें साहसी और आत्मनिर्भर होना चाहिए। मैंने यह भी सीखा कि हमारे कार्यों का पर्यावरण और समाज पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए हमें अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए। कैंप फायर का भी मैंने बहुत आनंद लिया, निश्चित रूप से कैंप फायर में सभी संभागियों की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया।

इस कैम्प ने मुझे जीवन भर के लिए प्रेरित किया है। मैं इस कैम्प के आयोजकों और स्टाफ को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे यह अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया। इसके लिए मैं मेरे विद्यालय की प्रधानाचार्य महोदया श्रीमती चेतना बंशीवाल, सीबीईओ महोदया शीला मीना, मुख्य जिला आयुक्त श्री ओम प्रकाश मीना और स्थानीय संघ लालसोट के पदाधिकारी, दौसा जिला सी.ओ. श्री प्रदीप सिंह के साथ राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल को भी धन्यवाद प्रेषित करना चाहूंगा।

मैं क्षमा प्रार्थी भी हूं अगर मेरे मन कर्म और वचन से किसी का मन आहत हुआ हो तो अबोध बालक समझ कर क्षमा कर दीजिएगा, हो सकता है की आपके सिद्धांत के अनुसार मैं स्वयं को ढालने में असमर्थ रहा हूं लेकिन मुझे स्काउटिंग आनंद के लिए करनी है। जीवन का असली आनंद ही मुझे यहां आता है।

शिविर रिपोर्ट

जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैली (मिनी जम्बूरी) झुंझुनूं

महेश कालावत
सी.ओ. स्काउट झुंझुनू

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली (मिनी जंबूरी) का आयोजन 28 नवंबर से 2 दिसंबर 2024 तक स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू पर किया गया, जिसमें संपूर्ण जिले से 1507 स्काउट गाइड, स्काउटर गाइडर, सर्विस रोवर रेंजर, संचालक दल ने सहभागिता की। मिनी जंबूरी का शुभारंभ झुंझुनू विधायक राजेंद्र कुमार भांबू के मुख्य आतिथ्य एवं जिला कलक्टर रामावतार मीना की अध्यक्षता, अतिरिक्त जिला कलक्टर अजय कुमार आर्य, राज्य सचिव स्काउट डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत के विशिष्ट आतिथ्य में ध्वजारोहण के साथ हुआ।

उद्घाटन सत्र के दौरान विधायक भांबू ने विधायक कोटा से स्काउट गाइड कार्यालय में विकास कार्य हेतु 20 लाख रुपए की घोषणा की एवं मिनी जंबूरी के सभी स्काउट गाइड्स को शुभकामनाएं दी। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं में सुनागरिकता के गुण आते हैं। राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग के माध्यम से विद्यालय स्तर की गतिविधियों में उत्कृष्ट स्तर का सहयोग मिलता है। इस अवसर पर राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत कहा कि झुंझुनूं जिले की स्काउटिंग गाइडिंग राजस्थान में उत्कृष्ट स्तर की है।

दूसरे दिन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने जंबूरी अवलोकन किया एवं विधायक राजेंद्र भांबू ने एडवेंचर गतिविधियों का फीता काटकर उद्घाटन किया। एडवेंचर गतिविधियों में टायर वाल, मंकी ब्रिज, गन शूटिंग, टायर टनल, जंपिंग, बास्केटबॉल, बाल्टी में सिक्का डालना, लेडर क्रॉसिंग, तिलक लगाना, टायर चिमनी, कमांडो ब्रिज, ब्लाइंड टेल, तीरंदाजी, टायर जंपिंग, मंकी क्रोलिंग, टचिंग पॉइंट, रिंग डालना, साइकिल चलाना, पेड़ पर चाय बनाना जैसी गतिविधियों में स्काउट गाइड ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री एवं विधायक ने डिस्ट्रिक्ट चीफ कमिश्नर शील्ड का लोकार्पण किया।

भारतीय जनता पार्टी के नेता बबलू चौधरी ने विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का अवलोकन करते हुए कहा कि वह अपनी ओर से जिला रैली हेतु पूर्ण सहयोग करेंगे तथा स्काउट गाइड कार्यालय के विकास हेतु राज्य सरकार द्वारा अन्य आवश्यक आर्थिक सहयोग दिलवाया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा नेता पवन मावंडिया, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयसिंह माठ, भाजपा नेता मुरारी लाल सैनी, भाजपा मंत्री संजय कुमार, डॉ. पवन पूनिया, देरवाला सरपंच राकेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे। जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी ने झांकी प्रतियोगिता के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रैली को जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।

मिनी जंबूरी के तीसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक मुकेश कुमार की अध्यक्षता एवं पूर्व भाजपा विधायक शुभकरण चौधरी के मुख्य आतिथ्य में ध्वजारोहण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिले के अलसीसर, बुहाना, गुढ़ागौड़जी, चिड़ावा, झुंझुनू, खेतड़ी, माननगर, नवलगढ़, पिलानी, उदयपुरवाटी, मंडावा एवं सूरजगढ़ स्थान द्वारा फिजिकल डिस्प्ले व्यायाम प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर अतिथियों ने

सराहना की।

इस अवसर पर भाजपा नेता शुभकरण चौधरी ने कहा कि इस मिनी जंबूरी में भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया गया है जो अपने आप में अनूठी है। स्काउट गाइड कम संसाधनों में अधिक कार्य करते हैं यह यहां की विशेषता है। यहां पर प्रेम भाईचारा बढ़ता है एवं सामूहिक रूप से रहना, संगठित रहना इस शिविर में बालक बालिकाएं सीख रहे हैं।

इस अवसर पर सभी स्थानीय संघ द्वारा विभिन्न प्रकार की मिठाइयां, चटपटे आइटम, अचार यथा काचरा की सब्जी, बाजरे का खींच, चूरमा, गाजर हलवा, कैर सांगरी, पूड़ी, मीठा चावल, मिर्ची बड़ा, कचोरी, चिड़ावा के पेड़े, चटनी, गोंद लड्डू, बेसन लड्डू, बूंदी, मक्का रोटी, मूली सब्जी, दही बड़े, खमन, दाल बाटी चूरमा, गुलगुला, खीर, मालपुआ, लौकी हलवा, अचार, बेसन चक्की, मिस्सी रोटी, पानी पतासी आदि बनाकर फूड प्लाजा प्रतियोगिता में भाग लिया तथा स्काउट गाइड्स ने उक्त सभी व्यंजनों का जी भरकर आनंद उठाया।

जिला मिनी जंबूरी के चतुर्थ दिवस पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह जिला कलक्टर रामावतार मीना के मुख्य आतिथ्य, पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी की अध्यक्षता तथा सहायक राज्य संगठन आयुक्त बीकानेर रामजस लिखाला, संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा चूरू बजरंग लाल स्वामी, झुंझुनूं स्काउट जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा, सीकर स्काउट जिला प्रधान बाबूलाल गुर्जर के विशिष्ट आतिथ्य में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ।

मिनी जंबूरी में सहयोग करने वाले भामाशाह पंकज सराफ, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चिड़ावा सुशील शर्मा, उत्कृष्ट सहयोग करने वाले चिरंजीलाल शर्मा, जिला मुख्यालय पर स्काउट हट बनाने में सहयोग देने वाले ओमप्रकाश डीग्रवाल एवं उमेश रोहिल्ला को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि हमें मेहनत व लगन के साथ सेवा कार्य करते हुए देश सेवा को तत्पर रहना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए हमें विकासशील भारत से विकसित भारत की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं के सामाजिक, आर्थिक, चारीत्रिक, आध्यात्मिक, शैक्षणिक रूप से सशक्त होने पर ही हमारा भारत समृद्ध बन सकेगा। संयुक्त निदेशक माध्य.शिक्षा चूरू बजरंग लाल शर्मा ने स्काउट गाइड्स के नियम प्रतिज्ञाओं और किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा सहा.राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला ने सांगठनिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी देते हुए स्काउट गाइड की हौसला अफजाई की।

मिनी जंबूरी में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर स्थानीय संघ अलसीसर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर डिस्ट्रिक्ट चीफ कमिश्नर शील्ड विजेता बने। इसी प्रकार शानदार एवं बेहतरीन प्रदर्शन कर स्थानीय संघ सूरजगढ़ ने द्वितीय स्थान एवं स्थानीय संघ पिलानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय स्तर की गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ब्राइट फ्यूचर एकेडमी भोड़की ने प्रथम स्थान तथा रा.उ.मा.विद्यालय निराधनु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सभी विजेताओं, भामाशाहों एवं सहयोग करने वाले स्काउट गाइड्स, रोवर्स रेंजर्स संचालक दल के ऑफिसर्स, जंबूरी में भाग लेने वाले सभी विद्यालयों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी स्काउट्स गाइड्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने भी मिनी जंबूरी का अवलोकन कर प्रातः काल ध्वजारोहण कर दिनभर की गतिविधियों का शुभारंभ किया। अहलावत ने मॉडल टेंट एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि स्काउट गाइड भारतीय संस्कृति के सच्चे ध्वजवाहक हैं।

जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली (मिनी जंबूरी) के अंतिम रात्रि विशाल शिविर ज्वाल कार्यक्रम का आयोजन सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार के मुख्य आतिथ्य एवं पिलानी विधायक पितराम सिंह काला की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। मिनी जंबूरी के अंतिम दिन रात्रि विशाल शिविर ज्वाल कार्यक्रम में अलसीसर, बुहाना, चिड़ावा, गुढागौड़जी, झुन्झनू, खेतड़ी, पिलानी, माननगर, नवलगढ़, उदयपुरवाटी, मंडावा एवं सूरजगढ़ के संभागियों ने एक से बढ़कर एक राजस्थानी लोक नृत्य पर विभिन्न भाव भंगिमाओं के माध्यम से नृत्य करते हुए उपस्थित आमजन एवं अन्य स्काउट गाइड को मंत्र मुग्ध कर मोहित कर दिया।

इस अवसर पर विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि स्काउट गाइड अपने आप में विश्वव्यापी अनूठा संगठन है यहां पर केवल और केवल संस्कार निर्माण की शिक्षा दी जाती है, युवाओं का चारीत्रिक एवं मानसिक विकास किया जाता है एवं अपनी ओर से स्थानीय संघ सूरजगढ़ में भवन निर्माण हेतु विधायक कोटा से राशि का आवंटन करेंगे।

इस दौरान पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने कहा कि स्काउटिंग में विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर आगे बढ़ना सिखाया जाता है। भाजपा नेता राजेश दहिया एवं जंबूरी के प्रभारी अधिकारी तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर अजय कुमार आर्य ने मिनी जंबूरी का अवलोकन कर यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा इस संपूर्ण आयोजन में अपना सहयोग देने वाले सभी भामाशाहों एवं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले लोगों का आभार प्रकट किया।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त अनसूईया सिंह के मुख्य आतिथ्य, डॉ. राजबाला ढाका की अध्यक्षता एवं सहायक निदेशक शिक्षा अशोक जांगिड़, सहायक परियोजना अधिकारी समसा कमलेश तेतरवाल के विशिष्ट आतिथ्य में विद्यालय के भाग लेने वाले शिक्षकों, कार्यक्रम में सहयोग देने वाले रोवर्स रेंजर्स को सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला कमिश्नर गाइड डॉ. राजबाला ढाका ने कहा कि स्काउट गाइड से जीवन में निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है।

सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने इस आयोजन में सहयोग करने वाले जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, पत्रकार बंधुओ, भामाशाहों, शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों, स्काउट गाइड सचिव एवं समस्त पदाधिकारी, संस्था प्रधानों, स्काउट गाइड्स एवं उनके लीडर्स तथा प्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष सहयोग देने वाले समस्त सम्मानित जनों का आभार प्रकट कर साधुवाद दिया।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर संभाग

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, शाहपुरा/भीलवाड़ा के तत्वावधान में आयोज्य जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली (मिनी जंबूरी) की आवश्यक तैयारी की बैठक

कलक्टर सभागार शाहपुरा में ली गई। जिला कलक्टर महोदय शाहपुरा के निर्देशन में 27 दिसंबर 2024 को आयोजित तैयारी बैठक में सभी व्यवस्थाओं पर विचार–विमर्श कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

भरतपुर संभाग

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में माननीय पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 100वीं जयंती के अवसर पर स्काउट गाइड द्वारा

सुशासन दिवस रैली निकाली गई। आयोजित सुशासन दिवस रैली को अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री हेमराज परिड़वाल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल प्रसाद मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के मुख्य मार्गों से होकर निकाली गई। निनादों व नारों के उद्घोषों के साथ में बड़ी संख्या में रोवर रेंजर एवं स्काउट गाइड ने सहभागिता की।

◈ जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग, भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में हर वर्ष की भांति 25 दिसंबर 2024 को महाराजा सूरजमल स्मृति समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस

समारोह में सूरजमल चौराहा भरतपुर से शहर के मुख्य बाजार से होते हुए किशोरी महल भरतपुर तक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा को अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) श्री राहुल सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर से सी.ओ स्काउट देवेन्द्र कुमार मीना के सान्निध्य में बड़ी संख्या में स्काउट गाइड व रोवर रेंजर्स ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। किशोरी महल भरतपुर पर शोभा यात्रा के समापन के बाद अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) श्री राहुल सैनी ने भारत स्काउट व गाइड के सम्पूर्ण दल की भूरि भूरि प्रशंसा की और सभी को कार्यक्रम सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर श्री मुरारीलाल शर्मा सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट), श्री अनिल नागर रोवर लीडर भरतपुर, श्री भगतसिंह गुलशन सचिव स्थानीय संघ कांमा, श्रीमती मिथलेश मीना गाइडर, श्री राजेश कुमार गौड़ स्काउट सहायक मंडल मुख्यालय भरतपुर, स्काउट गाइड व रोवर रेंजर्स आदि उपस्थित रहे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में 21 से 27 दिसंबर 2024 तक आयोजित डी.एल. एड. स्काउट गाइड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर एवं जिला स्तरीय निपुण रोवर प्रशिक्षण शिविर के छठें दिन अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) श्री राहुल सैनी ने शिविर का अवलोकन किया। सी.ओ. देवेंद्र कुमार मीना द्वारा अतिरिक्त जिला कलक्टर का स्काउट गाइड परम्परा से स्कार्फ पहनाकर

स्वागत किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि स्काउट के मूल सिद्दांतों का पालन करते हुए उन्हें अपने जीवन में उपयोगी बनाएं। इस आंदोलन में सीखे गए अनुशासन से आप जीवन को बेहतर बना सकते हैं और बहुआयामी व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं। इस अवसर जिला सचिव राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, प्रोफेसर अनिल नागर (रोवर लीडर एमएसजे कॉलेज भरतपुर), मुरारी लाल शर्मा एएलटी (स्काउट), भगत सिंह गुलशन सचिव स्थानीय संघ कांमा, ब्रजमोहन एचडब्ल्यूबी, गोविन्द डागुर एडवांस आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सी.ओ. स्काउट द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

- भरतपुर के संभाग स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 02 जनवरी 2025 को यूआईटी आडिटोरियम भरतपुर में किया गया। उक्त कार्यक्रम में भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर से सी.ओ. स्काउट देवेन्द्र कुमार मीना एवं सी.ओ. गाइड सीमा रिज़वी के सान्निध्य में स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स, स्काउटर गाइडर ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संभाग स्तरीय युवा महोत्सव के मुख्य अतिथि माननीय गृह राज्य मंत्री राजस्थान सरकार श्री जवाहर सिंह बेढम का रेंजर साधना

सिंह द्वारा तिलक लगाकर एवं रोवर्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। अन्य स्काउटर व गाइडर ने प्रशासन के पदाधिकारियों का बैज लगाकर सम्मान किया। कार्यक्रम के समापन के बाद मंत्री महोदय ने भारत स्काउट व गाइड दल के साथ ग्रुप फोटो करवाते समय पूरे दल की भूरि भूरि प्रशंसा की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत आमजन को सडक सुरक्षा नियमों की पालना और जानकारी के उद्देश्य से रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिला स्काउट गाइड भवन से पूर्व वनपाल महेश सारस्वत, कनिष्ठ अभियंता पुष्पेंद्र शुक्ला, ठेकेदार रामकुबेर प्रजापत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली जिला स्काउट गाइड भवन से प्रारंभ होकर पुरानी नगर पालिका, फूटाकोट, अनाज मंडी, सब्जी मंडी, गणेश गेट होते हुए स्काउट गाइड भवन पर संपन हुई। रैली के दौरान स्काउट गाइड सड़क सुरक्षा संबंधी नारे लगाते चल रहे थे। साथ ही आमजन से हेलमेट पहनने के लिए आग्रह कर रहे थे। रैली का नेतृत्व सी.ओ. गाइड निरमा मीणा ने किया। स्काउट

गाइड और रोवर रेंजर ने आमजन को दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में करौली यातायात प्रभारी महावीर प्रसाद ने कहा कि स्काउट गाइड अपने परिजनों, मित्रों, पड़ोसियों, गांववासियों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी प्रदान करें। साथ ही स्वयं भी नियमों की पालना करें। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में जिला स्काउट गाइड भवन में सड़क सुरक्षा संगोष्ठी के प्रभारी महावीर प्रसाद ने स्काउट गाइड, रोवर रेंजर को सड़क सुरक्षा नियमों कि जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। हेलमेट के प्रयोग नहीं करने पर स्वयं की जान को खतरा तो है ही साथ ही ई–चालान के माध्यम से जुर्माना भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फोर व्हीलर वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि हेलमेट व सीट बेल्ट दुर्घटनाओं में होने वाली जन हानि से बचाते है। यातायात प्रभारी ने कहा कि वाहन चलाते समय नशा नहीं करें। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने से भी दुर्घटनाओं कि आशंका बनी रहती है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना भी जुर्माने की श्रेणी में आता है।

बीकानेर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष को सुशासन दिवस के रूप में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद कैलाश चंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में स्काउट गाइड कार्यालय में समारोहपूर्वक मनाया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने कहा कि सुशासन दिवस आयोजित करने का उद्देश्य उत्तरदायी, पारदर्शी एवं जवाबदेही, जनकल्याण केंद्रित, प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु प्रशासन के सुविचारों से आमजन को अवगत करवाया जाना है। इस दौरान श्री शर्मा ने कहा कि स्काउट गाइड अनुशासन का पर्याय है और झुंझुनू जिले में स्काउट गाइड द्वारा की जा रही गतिविधियां प्रशंसनीय है। इस दौरान

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवं भारत के पहले गवर्नर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की पुण्यतिथि होने पर उन्हें भी याद किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीईओ जिला परिषद ने उपस्थित प्रशिक्षु स्काउटर गाइडर को सुशासन की शपथ दिलाई व सुशासन दिवस रैली निकाली जिसे सीईओ जिला परिषद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर

पूर्व सहा.राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी, राष्ट्रपति स्काउट उमेश रोहिल्ला, राष्ट्रपति स्काउट ओमप्रकाश डीग्रवाल, सहायक लीडर ट्रेनर यादराम आर्य, रामदेव सिंह गढ़वाल, विजय गर्वा, कृष्ण कुमार, सुनील बाकरा, अमरचंद बीयान, दिनेश कुमार सहित स्काउट कार्यालय झुंझुनूं में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे श्री गणेश कॉलेज आफ एजुकेशन चूड़ीना (बुहाना) के 170 प्रशिक्षु छात्र अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर ने राजस्थान स्टेट गेट (स्काउट विभाग) का दायित्व मंडल मुख्यालय बीकानेर को सौंपा है। भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में डायमंड जुबली स्काउट गाइड जंबूरी त्रिची तमिलनाडु में 28 जनवरी से 3 फरवरी 2025 तक आयोजित है। स्काउट गेट का निर्माण सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) रामजस लिखाला के

निर्देशन एवं सी.ओ. स्काउट बीकानेर जसवंत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में किया जा रहा है। बीकानेर के सभी रोवर्स ने तन मन से स्काउटिंग में सीखी गई पायनियरिंग विधा से इस गेट के निर्माण में सहयोग किया।

- भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में मंडल प्रशिक्षण केंद्र, पुष्कर घाटी, अजमेर पर आयोजित हिमालय वुड बैज स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में झुंझुनू जिले के 13 शिक्षकों ने स्काउट गाइड की सर्वोच्च योग्यता अर्जित कर झुंझुनू जिले का राजस्थान प्रदेश में नाम रोशन किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस शिविर में राउमावि सौथली के स्काउट प्रभारी मूलचंद मूंड, राउमावि धोलाखेड़ा के स्काउट शिक्षक मनोहर लाल रणवा, झुंझुनू के अमरचंद, स्थानीय संघ बुहाना के शेर सिंह यादव, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मालियों की बगीची के निरंजन लाल शर्मा, पानाबाई रामनाथ पोद्दार स्कूल के स्काउट शिक्षक नगेन्द्र

सेवदा, राउमावि किशोरपुरा के पंकज, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय माकड़ो के मक्खन लाल सैनी, राउमावि भूकाना की गाइड कैप्टन विजेयता कुमारी, राउमावि थली की गाइड कैप्टन राजबाला यादव, प्रेरणा सीनियर सैकेंडरी स्कूल नवलगढ़ की सुनीता, राउमावि पालोता की गाइड कैप्टन अनीता कुमारी, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय हीरवा की पूनम महला ने स्काउट गाइड एडवांसमेंट की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया और स्काउट गाइड की विभिन्न विशिष्ट कलाओं में निपुणता अर्जित की। झुंझुनू पहुंचने पर सी. ओ. स्काउट गाइड के नेतृत्व में इनका स्वागत किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झुंझुनू के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद एवं मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता शिक्षाविद प्रमेंद्र कुल्हार ने बताया कि जब भी स्वामी विवेकानंद को याद किया जाता हैं, तो उनके द्वारा अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिया गया, वो ऐतिहासिक उद्बोधन का स्मरण करने पर हम सबके मन मस्तिष्क में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। स्वामी जी के इसी ऐतिहासिक उद्बोधन ने ही पूरे विश्व को भारत के हिंदुत्व, आध्यात्मिक ज्ञान और महान दर्शन से रूबरू कराया। श्री कुल्हार ने बताया की अखिल

भारतीय विधार्थी परिषद और राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड दोनों ही संगठन राष्ट्र को आगे बढ़ाने, सामाजिक समरसता, दूसरे की मदद का भाव एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए हमेशा तत्पर रहते है। अभाविप झुंझुनू के विभाग संगठन मंत्री राजकुमार मीणा ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर युवाओं को स्वामी जी के व्यक्तिव से शिक्षा लेते हुए अपने जीवन एवं समाज और राष्ट्र में परिवर्तन के लिए प्रेरित किया। शिक्षाविद सत्यनारायण शर्मा ने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के आदर्श वाक्य 'उठो, जागो एवं लक्ष्य प्राप्ति तक संघर्ष जारी रखो' के संदेश को ध्यान रखते हुए अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन मेहनत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सी. ओ. गाइड सुभीता महला ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित गणमान्य जनों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में 15 महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं, रोवर्स रेंजर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने किया।

भारत स्काउंट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में चल रहे मण्डल स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड अनुशंषा शिविर का निरीक्षण जिला कलक्टर श्री अभिषेक सुराणा ने किया। श्री सुराणा ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुये सन्तोष व्यक्त किया और कहा कि स्काउट–गाइड विश्व के सबसे बड़े एनजीओ के रूप में हमारे बालक बालिकाओं को सुनागरिकता की शिक्षा प्रदान करता है। स्काउट–गाइड को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि सफलता के लिये सर्वप्रथम लक्ष्य निर्धारित करें और योजना बनाकर कड़ी मेहनत द्वारा सफलता अर्जित करें। शिविर में अपना व्यवहार बेहतर रखे, कार्यशील बने रहें और सप्ताह में कम से कम एक पुस्तक का आवश्यक रूप से अध्ययन करें।

शिविर में मेसेंजर ऑफ पीस के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत श्रमदान कर सार्वजनिक स्थान पर सफाई की गई। स्काउट सी.ओ. महिपाल सिंह ने बताया कि शिविर में स्काउट–गाइड के विभिन्न कौशल जैसे पायोनियरिंग, फर्स्ट एड, मैपिंग, एस्टीमेशन, सिग्नेलिंग, स्काउट आन्दोलन का इतिहास, परिभाषा, उद्देश्य, सिद्धान्त आदि विषयों की जांच के साथ ही साथ स्काउट द्वारा अपने क्षेत्र में किये गये समाज सेवा ब सामुदायिक विकास परियोजनाओं के अन्तर्गत किये गये कार्यों का मूल्यांकन किया जायेगा। शिविर में जिले के 127 स्काउट–गाइड ने भाग लिया। शिविर में संचालक महिपाल सिंह तंवर एवं सन्तोष के नेतृत्व में नरेश कुमार राय, सत्यनारायण स्वामी, ओम प्रकाश मेघवाल, ओम प्रकाश, गोपाल लाल बैरवा, मनीराम स्वामी, सुरेश कुमार पोटड़, विजय कुमार स्वामी, मोहन लाल, नरपत सिंह, किशोर कुमार ढ़ाका और बबीता ने स्काउट–गाइड्स की जाँच व मूल्यांकन का कार्य किया।

जयपुर संभाग

भारत स्काउट व गाइड के 500 स्काउट एवं लगभग 100 स्काउटर्स को (राजकोट) गुजरात में 28 दिसंबर 24 से 05 जनवरी 2025 तक आयोजित 25वें राष्ट्रीय कथा शिविर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रस्थान से पूर्व प्रारंभिक शिक्षा निदेशक श्री सीताराम जाट के द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश के साथ ही शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्काउट विद्यार्थियों को शुभकामनाएं बधाई संदेश दिया गया एवं जॉइंट

डायरेक्टर महोदया के द्वारा राधाकृष्णन शिक्षण संस्थान (शिक्षा संकुल) जयपुर से हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ फागी, माधोराजपुरा के 12 स्काउट्स एवं 3 स्काउटर्स ने भाग लेकर टीम जयपुर राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया है।

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, नजर बगीची अलवर पर 7 से 11 जनवरी तक निपुण रोवर और रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 46 रोवर्स रेंजर्स ने भाग लिया। शिविर के दौरान रोवर्स रेंजर्स को पायनियरिंग, प्राथमिक सहायता, आपदा प्रबंधन, दक्षता बैज, आंदोलन का

सिद्धांत, नियम प्रतिज्ञा आदि विषयों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही एसडीजी से संबंधित गतिविधि एवं खेलों का आयोजन यूथ कमिटी के उपाध्यक्ष विवेक चौधरी के द्वारा करवाया गया। शिविर का संचालन सी.ओ. गाइड कल्पना शर्मा और सी.ओ. स्काउट राजेंद्रप्रसाद मीणा ने किया। शिविर में समाज सेवा और सामुदायिक सेवा के संबंध में जानकारी प्रदान कर उपराष्ट्रपति अवार्ड के बारे में भी चर्चा की गई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर एवं पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत विश्व पक्षी दिवस मनाया गया। जिले के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे एवं कृत्रिम घोंसले लगाए गए। इसी क्रम में जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सांवली रोड, सीकर, मारू पार्क पर बसंत कुमार लाटा, श्री कल्याण स्कूल के स्काउट व इको क्लब सदस्य नवीन सेन और देवेंद्र सेन, मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय के रोवर लीडर मोहनलाल सुखाड़िया व रोवर्स के साथ अन्य स्काउट व इको क्लब सदस्यों ने पक्षियों के लिए

पूर्व में लगे हुए परिंडों को साफ किया, उनमें पानी भरा और नए परिंडे लगाए। वहां उपस्थित जनसाधारण को पक्षियों की सेवा करने हेतु प्रेरित किया। मोडी कोठी वार्ड नंबर 51 राधा किशनपुरा सीकर क्षेत्र में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मरुधर ओपन रोवर क्रू के सदस्यों द्वारा पक्षियों के लिए कृत्रिम घोसला वितरण किए गए। मोडी कोठी देवस्थान के पास देवस्थान व्यवस्थापक हरिओम लाटा व बसंत कुमार लाटा सी. ओ. स्काउट सीकर ने पक्षियों के लिए चुग्गा पात्र, घोंसले लगाए जिससे आगामी समय में पक्षी उनमें सुरक्षित रह सकें।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट के निर्देशानुसार श्री श्याम गौशाला पिपराली में आयोजित महर्षि दयानंद सरस्वती द्वि जन्मशताब्दी समारोह एवं पांच दिवसीय चतुर्वेद शतक गोपुष्टि महायज्ञ एवं श्री राम कथा के दौरान लगातार चार दिन सेवाएं प्रदान की गई। जिसमें जनसाधारण के लिए भोजन व्यवस्था में सहयोग, यज्ञ में सहयोग, बैठक व्यवस्था, पूछताछ एवं आवश्यक सेवाएं प्रदान की गई। शिविर के दौरान राजकीय बीआर अंबेडकर छात्रावास सेकंड सीकर के स्काउट मास्टर ओमप्रकाश के नेतृत्व में स्काउट हेमंत अलवरिया, कवि ओम अलवरिया, गुलशन कुमार, अनिल कुमार, नागेंद्र मीणा, अखिलेश मीणा, गोलू मीणा, कपिल गंभीर, दिलखुश, वीरेंद्र,

विजेंद्र, अंकित, सुधांशु, सिद्धार्थ मीणा, गौरव मीना, देवराज, आदित्य, वैष्णवी, दीपांशु, रोहित, राजकीय कला महाविद्यालय कटराथल के सीनियर रोवर मेंट के नेतृत्व में रोवर रोवर श्यामारथ, राहुल कुशवाहा, विक्की यादव, देवेश सैन ने सेवाएं प्रदान की। माननीय विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव जी देवनानी एवं माननीय शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार मदन दिलावर, स्वामी सूमेधानंद सरस्वती पूर्व सांसद सीकर ने स्काउट के साथ ग्रुप फोटो करवा कर स्काउट का उत्साह वर्धन किया एवं अच्छे सेवा कार्य के लिए शाबाशी दी।

- अलवर के लीली लक्ष्मणगढ़ स्थित स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान स्काउट गाइड ग्रुप का 25वां स्थापना वर्ष (सिल्वर जुबली) एवं भारत स्काउट व गाइड का 75वां स्थापना वर्ष (डायमंड जुबली) समारोह 03 जनवरी से 06 जनवरी तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि श्री हरिओम गुप्ता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मणगढ़,

विशिष्ट अतिथि कल्पना शर्मा सी.ओ. गाइड, श्री राजेन्द्र मीणा सी.ओ. स्काउट रहे। केशवानंद शिक्षण संस्थान के डायरेक्टर एम.डी. साहब व उनके समस्त स्टाफ द्वारा एवं लीडर ट्रेनर श्री छगनलाल वर्मा द्वारा व्यवस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से किया गया। शानदार व्यवस्था की गई। परिसर में घुसते ही ऐसा लगा जैसे कि रोहट पाली व बानसूर मिनी जम्बूरी में विजिट कर रहे हैं।

उदयपुर संभाग

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वाधान में जिला मुख्यालय चित्तौड़गढ़ पर 25 से 31 दिसम्बर 2024 तक बी.एस.टी.सी. छात्र अध्यापकों के लिये आयोजित ग्रुप शिविर के चौथे दिन जिला कलक्टर आलोक रंजन ने अवलोकन कर संभागियों से अपने अनुभव साझा करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला मुख्य आयुक्त (स्काउट) प्रमोद दशोरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ताराचन्द गुप्ता, ए.ई.एन. जगदीश चन्द्र शर्मा उपस्थित थे। इससे पूर्व स्काउट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर एवं जनरल सैल्यूट के द्वारा स्वागत किया गया। शिविर संचालक चतर सिंह ने बताया कि शिविर में 121 संभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के अन्तर्गत संभागियों को पाठ्यक्रम की जानकारी,

संगठन का इतिहास, आन्दोलन की जानकारी, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डागीत, राष्ट्रगान, प्रभातफेरी, शिविर ज्वाल गीत, शयन गीत, भोजन मंत्र, दीक्षा संस्कार, ध्वज शिष्टाचार, गॉठे, लेसिंग, प्राथमिक सहायता, कम्पास व दिशा ज्ञान, खोज के चिन्ह, हाथ व सीटी के संकेत, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, हाइक आदि विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में प्रशिक्षक के रूप में लीडर ट्रेनर इन्द्र लाल आमेटा, चतर सिंह राजपूत, लक्ष्मी लाल आचार्य, अखिलेश श्रीवास्तव ने सेवाएं दी। इस अवसर पर रोवर मेट पवन माली, लोकेश जाट, अविनाश सालवी, स्काउट भगत आदि उपस्थित थे।

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के रोवर एवं रेन्जर ने 64वीं राज्य स्तरीय मूट एवं 50वीं रेन्जर मीट में राजसमन्द का प्रतिनिधित्व करते हुए सहभागिता की। जिला सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि अजमेर में आयोजित रोवर मूट एवं रेन्जर मीट में राजसमन्द जिले के स्थानीय संघ राजसमन्द के एस.आर.के कॉलेज के रोवर चेतन बैरवा, सूरज ढोली, नेहा कुमावत, मनीषा कुमावत, राघव राव, गौरव राव, तमन्ना खटीक, यक्षिता सालवी, ओपन ग्रुप के पवन राव, रेन्जर लीडर के लीडरशिप में इस शिविर में सहभागिता की। 5 दिवसीय इस शिविर का संचालन राज्य संगठन आयुक्त गाइड सुश्री सुयश लोढ़ा के नेतृत्व में मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र पुष्कर घाटी अजमेर में आयोजित किया गया। शिविर में 235 रोवर रेन्जर ने पूरे राजस्थान से अपने–अपने जिलो की ओर से भाग लिया। जिसमें राजसमन्द जिले से 4 रोवर, व 4 रेन्जर के साथ 1 रेन्जर लीडर ने सहभागिता की। प्रतियोगिताओं में प्रदर्शनी, एस.डी.जी प्रोजेक्ट, एम.ओ.पी. निर्मित खाद्य सामग्री, वेशभूषा, खान–पान, हस्तकला निर्मित सामग्री का अवलोकन

केम्प फायर के साथ प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, साहसिक गतिविधियों में टायर–चिमनी, टायर वॉल, टायर टनल, टायर जम्पिंग, हैंगिग टायर, लेडर क्रासिंग, मंकी ब्रिज, कमाण्ड़ों ब्रिज, मंकी क्रोल, टचिंग पाइंट, बैलेंस बीम, मलखम, होरिजेन्टल बाग, कमाण्ड़ो डाई कॉलिंग, कमाण्डों ट्रेनिंग, ट्रेसल से नदी पार करना, गन शुटिंग, तीरंदाजी, रिंग फसाना, बन्द आंख से तिलक लगाना, डब्बे गिराना, का आयोजन में रोवर रेन्जर ने बढ–चढ कर भाग लिया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि शिविर के दौरान रोवर रेन्जर को नशा–मुक्ति की शपथ दिलाई एवं पुष्कर ब्रह्मा मंदिर, काली माता मंदिर, आसन टेकरी, बुढा पुष्कर, किशनगढ, आनासागर झील, से वन ऑफ स्टेच्यु का भ्रमण कराया।

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय सीडी सेमिनार में प्रधानमंत्री शील्ड़, उप राष्ट्रपति शील्ड, लक्ष्मी मजुदार शील्ड की जानकारी के साथ उच्च योग्यताधारी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि जिला मुख्यालय पर सक्रिय कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय सीडी सेमिनार रखा गया, जिसमें जिले से स्काउटर गाइडर, रोवर रेन्जर ने भाग लिया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर एवं प्रधानाचार्य राबाउमावि दिवेर के गणेश राम बुनकर ने की। मुख्य अतिथि जिला प्रशिक्षण आयुक्त राकेश टांक एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला संयुक्त सचिव राधेश्याम राणा थे। सर्वप्रथम प्रार्थना सभा से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। तत्पश्चात सी.ओ. गाइड मिश्रा

ने सीडी सेमिनार पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से बताया कि इसमें पंजीयन कैसे किया जाता है साथ ही इसमें कौन–कौन सी गतिविधियां की जायेगी व इसकी नोट बुक कैसे तैयार की जायेगी। जिला प्रशिक्षण आयुक्त राकेश टांक ने अपने अनुभव का साझा करते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली द्वारा किस प्रकार वर्ष पर्यन्त कार्य कर उसकी लॉग बुक बनाकर प्रधानमंत्री शील्ड प्राप्त की, के बारे में सभी सम्भागियों को बारीकी से समझाया। टांक ने बताया कि सामुदायिक कार्य ऐसी गतिविधि है जो हम विद्यालय स्तर पर निरंतर सालभर करते हैं उसी कार्य को लॉग बुक में उकेरकर राष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्य को बताते हुए प्रधानमंत्री एवं उपराष्ट्रपति शील्ड प्राप्त करने की बारिकी से जानकारी प्रदान की। राधेश्याम राणा ने वर्ष भर की योजना बनाकर कार्य करने पर प्रकाश डाला। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा ने बताया कि इस सेमिनार में कमिश्नर बेसिक कोर्स, प्रशिक्षण प्राप्त करने पर गणेश राम बुनकर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं गाइडर आशा सुखवाल ने अपनी योग्यता वृद्धि कर हिमालय वुड बैज प्राप्त किया। इस सेमिनार में रोवर नारायण लाल सुथार, रोवर चेतन बैरवा, सुरज ढोली, रेन्जर मीना कुमारी, बसन्ती रेगर आदि उपस्थित थे।

स्काउट्स को हवाई यात्रा

अब तक 28 स्काउट गाइड ने की फ्री हवाई यात्रा

भारत स्काउट व गाइड, जिला दौसा के स्थानीय संघ लालसोट ने 4 स्काउट और 2 यूनिट लीडर के हवाई यात्रा का सपना साकार किया। स्थानीय संघ के सचिव श्रीकांत शर्मा ने सभी को फ्री हवाई टिकट उपहार के रूप में दिए। स्काउटिंग में हवाई यात्रा के नवाचार से स्थानीय संघ लालसोट अभी तक स्काउट गाइड को तीन बार हवाई यात्रा करवा चुका है। जैसलमेर से प्रारंभ हुई हवाई यात्रा जिसमें 8 स्काउट गाइड को हवाई यात्रा के टिकट दिए गए। उसके बाद कश्मीर की यात्रा में 15 हवाई टिकट दिए गए, जिनमें स्काउट गाइड के साथ स्थानीय संघ सचिव, प्रभारी कमिश्नर स्काउट, प्रभारी कमिश्नर गाइड भी साथ रहे। अभी तक 28 स्काउट्स गाइड्स को जैसलमेर, कश्मीर, बीकानेर की हवाई यात्रा करवा चुका है स्थानीय संघ लालसोट।

भारत के चुनिंदा स्थानीय संघों में शुमार लालसोट जहां केवल और केवल स्काउट गाइड को अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने की बात होती है, ने राजस्थान में स्काउट गाइड को शिविर में संभागित्व करने हेतु हवाई यात्रा की पहल की है।

हाल ही में श्री गौरव गोयल राउप्रावि टोडा धामा, श्री प्रभु लाल सैनी राउमावि डोब, तेज सिंह राउमावि डोब, हर्ष शर्मा राजेश पायलेट राजकीय पीजी कॉलेज लालसोट, विशाल महावर अशोक महान शिक्षण समिति तथा आर्यन राज मीना अपेल एकेडमी स्कूल लालसोट शिविर में सहभागिता के लिए हवाई यात्रा से लाभान्वित हुए हैं।

विश्व स्काउट व गाइड चिन्तन दिवस

स्काउटिंग गाइडिंग के जन्मदाता लॉर्ड बैडन पॉवेल व लेडी बैडन पॉवेल के जन्मदिन पर विशेष

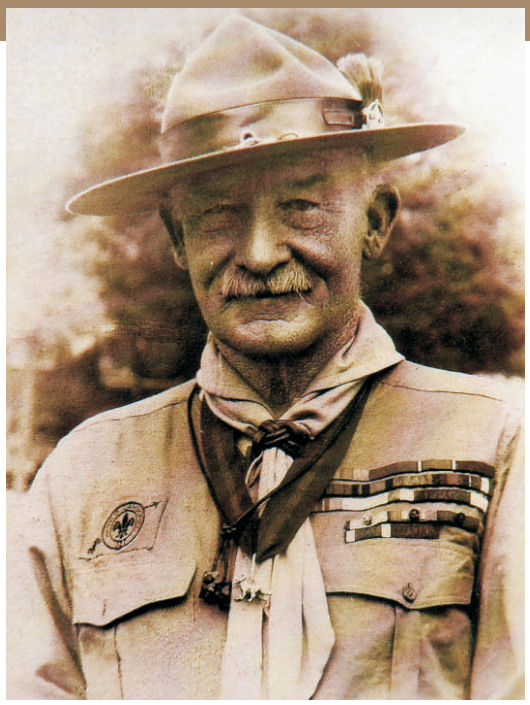

आज विश्व के प्रायः सभी देशों में स्काउटिंग क्रियाशील है। इसकी गतिविधियां सर्वत्र सम्भाग में संचालित हो रही है। संसार भर में शायद ही ऐसा कोई इतना बडा आन्दोलन होगा जो स्काउटिंग की भांति विश्वव्यापी हो तथा शिशु, बाल, किशोर युवाओं युवतियों सभी अवस्था वालों को प्रशिक्षण की सुविधाएं प्रदान करता हो। इस आन्दोलन का लक्ष्य बालक एवं बालिकाओं को शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक दृष्टि से इस प्रकार सुदृढ़ बनाना है ताकि वे भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बन सके। ऐसे नागरिक बने जिनमें ईश्वर के प्रति आस्था, देश और मानव के प्रति निःस्वार्थ सेवा की भावना जागृत हो। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु यह आन्दोलन गैर सरकारी, गैर राजनैतिक, वर्गहीन एवं किसी भी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, सामाजिक समूह आदि के भेदभाव से रहित है।

इस आन्दोलन के संस्थापक लार्ड बैडन पॉवेल का जन्म 22 फरवरी, 1857 को इंग्लैण्ड में हुआ था। उनके पिता रेनरेंड बैडन पॉवेल प्रोफेसर थे। लेकिन 3 वर्ष की उम्र में ही पिता की मृत्यु हो जाने से इनका भरण पोषण इनकी माता ने किया। मामा ने काफी लगन के साथ इनका अध्ययन करवाया। सन् 1869 में आगे की उच्च शिक्षा हेतु लंदन के चार्टर हाउस नामक स्कूल में प्रवेश दिलाया। विद्यार्थी जीवन में ही इन्हें शिल्पकला एवं चित्रकला का विशेष शौक था। स्काउटिंग के काफी लक्षण इन्हें विद्यार्थी जीवन में दिखाई देने लगे थे। उस समय यह कौन कह सकता था कि यही बालक एक दिन बड़ा होकर स्काउटिंग जैसी पवित्र संस्था की नींव रखेगा। बचपन से ही इन्हें लिखने का भी शौक था। इन्होंने लिखा कि मुझे जंगल के खेल, झाड़ियों में से पेट के बल रेंगकर निकलना, जंगली पशुओं के पदचिन्ह पहचानना अच्छा लगता था।

स्कूली शिक्षा समाप्त कर बैडन पॉवेल ने सेना की एक परीक्षा दी और उसमें अव्वल दर्जा प्राप्त किया। इसी से उन्हें सब लेफ्टिनेंट बनाकर भारत में 13वीं हुर्सास रेजिमेंट में लखनऊ भेज दिया। वहां अपने साहसिक कार्यों से ये पहचाने जाने लगे। सन् 1879 में लेफ्टिनेंट और 1883 में केप्टिन बने। इसके पश्चात् अफ्रीका में इन्होंने काफी समय बिताया। बैडन पॉवेल ने भारत में रह रहे संस्मरणों का रोचक वर्णन अपनी पुस्तक ''इण्डियन मेमोरीज'' में किया। सन् 1887 में बैडन पॉवेल को ए.डी.सी. बनाकर जनरल सह हेनरी केपटाउन (द.अफ्रीका) ले गये। वहां इन्होंने कई साहसिक कार्य किये। वहां जुलू जाति के सरदार डीनिजुलू के विरूद्ध युद्ध किया, उसे परास्त किया तथा उसके गले से सुन्दर चन्दन के बने दानों का हार छीन लिया। स्काउटिंग का उच्च प्रशिक्षण ''हिमालय वुडवैज'' प्राप्त करने वाले लीडर्स को काले धागे में ये दाने (बीड्स) प्रदान करने की परम्परा है।

स्काउटिंग में बायां हाथ मिलाने की परम्परा भी बड़ी रोचक है। बैडन पॉवेल एक बार अशान्ति कैम्पैन पर पश्चिम अफ्रीका भेजे गये। इनके साथ 860 हब्शी फौजी भी थे। सन् 1895 की यह घटना है। हब्शी फौजियों की सहायता से सड़कों का निर्माण झोपड़ियों का विकास, सन्देश भेजना आदि अनेक साहसिक कार्य किये। वहां के सरदार ने बैडन पॉवेल से बायां हाथ मिलाया। पॉवेल के पूछने पर सरदार से बताया कि बायां हाथ मिलाना यहां वीरता का प्रतीक है। प्रत्येक देशवासी बायां हाथ मिलाने पर गौरव अनुभव करता हैं। इसी बात से प्रभावित होकर स्काउटिंग में आगे चलकर बायां हाथ मिलाने की परम्परा प्रारम्भ हुई।

सन् 1896 में बैडन पॉवेल चीफ ऑफ स्टाफ होकर माता बील लैण्ड गये। वहां इन्होंने अपने मित्र अमरीका के मेजर फौजी स्काउट फ्रेंड वनहम के साथ मिलकर नाइट स्काउटिंग के कई बड़े कार्य किये। इन कार्यों को देखते हुए इन्हें कर्नल बना दिया गया। सन् 1897 में ड्रेगुन गार्ड्स नामक फौज की टुकड़ी के कमाण्डर बनाकर ये भारत भेजे गये। भारत से ये 1899 में इंग्लैण्ड चले गये। वहां आपने एक पुस्तक लिखी, जिसका नाम था– ''एड्स टू स्काउटिंग'' विशेष कर यह पुस्तक फौजी स्काउटों के प्रशिक्षण पर लिखी गई थी। कुछ समय इन्हें ''द साउथ अफ्रीका'' कानस्टबुलरी का दायित्व सौंपा गया, जिसके जवान हैट पहनते थे तथा इस कान्स्टबुलेरी के जवानों का मोटो था– ''बी प्रिपेयर्ड'' तैयार हो। यही मोटो आज स्काउटिंग का है। इन दिनों द. अफ्रिका में बोअरों का अंग्रेजों से युद्ध हुआ। इस युद्ध में बैडन पॉवेल को सेना के 700 सैनिकों की टुकड़ी के साथ भेजा गया। दुश्मनों की संख्या 9 हजार के लगभग थी। अतः स्थिति बड़ी भयंकर बनी थी। बैडन पॉवेल ने एक नई योजना बनाई, जिसके अनुसार वहां मेफकिंग के 300 चुस्त व साहसी नवयुवकों को एकत्रित करके विभिन्न प्रशिक्षण देकर सात माह तक शत्रुओं का डटकर मुकाबला किया और अंत में युद्ध में विजय प्राप्त की।

लार्ड बैडन पॉवेल इन नवयुवकों और उनके कार्य से अत्यधिक प्रभावित हुए और तभी से उनके मस्तिष्क में यह बात आई कि जब युद्धकाल में ये बालक इतना कार्य कर सकते हैं तो शान्तिकाल में तो और भी

अच्छा कार्य कर सकेंगे। अतः इसके लिए इस प्रकार की कोई संस्था अवश्य होनी चाहिए जो उनको विभिन्न उपयोगी प्रशिक्षण देती रहे ताकि उनकी अन्तर्निहित शक्तियों का विकास हो सके।

बैडन पॉवेल ने फौजी स्काउटिंग को नए सिरे से ढालकर प्रयोगात्मक आधार पर तैयार कर बालोपयोगी बनाने की एक बडी योजना तैयारी की, जिसे सभी शिक्षाविदों ने श्रेष्ठ माना। इसी प्रयोग के सफल क्रियान्विति हेतु सर्व प्रथम 25 जुलाई, 1907 को स्काउट बालकों के रूप में 20 छात्रों को लेकर 15 दिन के लिए एक प्रयोगात्मक शिविर प्रारम्भ किया, इंगलिश चैनल में ब्राउन सी द्वीप पर।

उस समय स्काउट शिविर में जो जादू और आकर्षक था, उसे जिसने भी देखा, भूल नहीं सका। समाज के सभी वर्गों से 20 लड़के थे। अमीर एवं गरीब या कोई जातीय भेद नहीं। सब साथ–साथ खेलते, रात को कैम्पफायर करते, नए नए अनुभव प्राप्त करते और इन सबके बीच लकड़ियों के अलाव के पास बैडन पॉवेल बैठकर साहसिक एवं रोचक कहानियां सुनाते हुए बातों बातों में सबके मित्र बन जाते।

इस शिविर की सफलता को देखते हुए सन् 1907 के अन्त तक बैडन पॉवेन ने ''स्काउटिंग फॉर बॉयज'' पुस्तक लिखी और जनवरी 1908 में वह प्रकाशित होते ही इंग्लैण्ड में मौहल्ले–मौहल्ले में स्काउटिंग प्रारम्भ हो गई। अब बैडन पॉवेल ने फौज से अवकाश ग्रहण कर लिया।

मिल्टर विलियम जे.डी. बॉयस नामक एक अमेरिकन सज्जन घने कोहरे में अंधकार में लंदन में अपना मार्ग भूल गये। उन्हें मार्ग में एक चुस्त बालक मिला। बालक ने ही उन्हें मार्ग बताया। उन सज्जन ने उस बालक को आधा पौण्ड देना चाहा। मगर उसने न लेते हुए कह– महोदय, मैं वर्दी में तो नहीं हूँ, लेकिन मैं स्काउट हूँ, इनाम कैसे लूं? महाशय को बड़ा आश्चर्य हुआ और इंग्लैण्ड में स्काउटिंग की सारी जानकारी ली और अमरीका में जाकर सन् 1909 में ही स्काउटिंग प्रारम्भ की।

सितम्बर, 1909 में क्रिस्टल पैलेस लंदन में स्काउटों की प्रथम रैली हुई। रैली में स्काउट मार्च करते हुए बैडन पॉवेल को सलामी देते हुए निकल रहे थे। अंत में लड़कियों का एक दल भी मार्च करता हुआ

निकला तो पॉवेल ने उनसे पूछा– तुम कौन हो? उत्तर दिया– ''हम गर्ल स्काउट'' हैं। वे 600 लड़कियां थी। फलस्वरूप लड़कियों के लिए गर्ल गाइडिंग प्रारम्भ की और बैडन पॉवेल ने अपनी बहन मिस एग्नेस को यह कार्य सौंपा।

बैडन पॉवेल ने अनेक अनुभव प्राप्त करने के पश्चात् अपने जीवन साथी के रूप में अपनाया मिस ओलेव सेंट फ्लेवर सोमस को 1912 में। संयोग से इनका जन्म भी 22 फरवरी, 1889 को ही हुआ था। श्रीमती बैडन पॉवेल 1918 में ब्रिटिश साम्राज्य की चीफ गाइड चुनी गई व 1931 में ''वर्ल्ड चीफ गाइड''। सन् 1916 में रूडयार्ड किप्लिंग की कहानियों से प्रेरणा लेकर छोटे बच्चों के लिए कबिंग और सन् 1919 में युवकों के लिए रोवरिंग प्रारम्भ की। सन् 1919 में ही लंदन में गिलविल पार्क उसके मालिक ने बॉय स्काउट एसोसिएशन को भेंट किया जो लीडर्स का प्रमुख प्रशिक्षण केन्द्र बना।

वैसे तो भारत में अंग्रेजों व एंग्लो इण्डियन अफसरों के बालकों के लिए स्काउटिंग 1909 में प्रारम्भ हो गई थी। किन्तु भारतीय बच्चों का इसमें सन् 1916 से प्रवेश हुआ। श्रीराम बाजपेयी व अरूण्डेल ने शाहजहांपुर व बनारस में दो स्काउट दल प्रारम्भ किये। सन् 1918 में पं. मदन मोहन मालवीय एवं डा. हृदय नाथ कुंजरू के साथ वाजपेयी ने सेवा समिति की स्थापना की, जो 1922 तक बैडन पॉवेल संघ के साथ न होकर अपनी राष्ट्रीय भावनाओं के आधार पर अलग से थी। सभी देशी सियासतों में भी स्काउटिंग प्रारम्भ हो गई थी। भारत की स्वतंत्रता के बाद सन् 1950 में यहां की सभी स्काउट संस्थाओं को मिलाकर ''भारत स्काउट व गाइड'' नाम से संगठन की स्थापना हुई। आज सम्पूर्ण भारत में स्काउट गाइड उसी से संबंधित है।

1937 में बैडन पॉवेल जब भारत आए, काफी अस्वस्थ थे, तब डाक्टरों ने पॉवेल को अफ्रीका के अन्तर्गत कीनिया देश की जलवायु सुन्दर दृश्य, मनमोहक सुन्दर शान्त वातावरण में रहने की सलाह दी। तब 1938 में नेरी ग्राम में एक कुटिया बनाकर रहने लगे। यह प्रदेश ठीक भूमध्य सागर पर है। परन्तु समुद्र सतह से छः हजार फीट ऊँचा होने से नैरी का मौसम वर्षभर बसन्त जैसा रहता है। लार्ड बैडन पॉवेल की जीवन यात्रा यहीं रूक गई। इन्होंने अपने अनुभव के आधार पर यहां 38 पुस्तकें लिखी।

स्काउट संस्था का जन्मदाता, इसका महान सेनापति 7 जनवरी, 1941 को चौरासीवें वर्ष में इस संसार से सदा के लिए विदा हो गया, लेकिन अपना नाम अमर कर गया। अपने देहावसान से पूर्व लार्ड बैडन पॉवेल ने कीनिया से संसार भर के स्काउटों के नाम अन्तिम सन्देश दिया–

प्रिय स्काउटों, यदि तुमने कभी ''पीटरमैन'' नामक नाटक देखा हो तो याद होगा कि समुद्री डाकुओं का सरदार अपने बारे में प्रतिदिन मृत्यु का वक्तव्य दिया करता था। उसे भय था कि अन्तिम समय अपनी बात कहने का अवसर मिले या न मिले। यद्यपि मैं अभी मर नहीं रहा, निकट भविष्य में मरूंगा, अतः तुम्हें विदाई का अन्तिम सन्देश देना चाहता हूं कि मेरा जीवन आनन्द पूर्वक बीता है, तुम्हारा भी जीवन आनन्द पूर्वक बीते। अपनी स्काउट प्रतिज्ञा पर डटे रहो, ईश्वर तुम्हारी सहायता करे।

स्काउटिंग का आरम्भ चाहे किसी भी उद्देश्य से हुआ हो, लेकिन उसका लक्ष्य प्रारम्भ से ही बालक–बालिकाओं में नागरिकता के श्रेष्ठ गुणों का विकास करना है। आज विश्वव्यापी आन्दोलन होने से स्काउटिंग में विभिन्न जातियों, रंगों, देशों व विचार धाराओं में लोगों को मातृत्व के स्नेह सूत्र में बांध देने की शक्ति है। यह आन्दोलन भावनात्मक एकता का सर्वोत्कृष्ट साधन है।

CELEBRATIONS DAYS : FEBRUARY-MARCH 2025

07February	:	Safer Internet Day
20 February	:	World Social Justice Day
21 February	:	International Mother Language Day
22 February	:	Baden Powell Day or Founders' Day
22 February	:	World Thinking Day
28 February	:	National Science Day
08 March	:	International Women Day
21 March	:	World Forest Day
22 March	:	World Water Day
23 March	:	Shahid Diwas
30 March	:	Rajasthan Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

फार्म – 4

RNI No. - RAJ BIL/2000/1835

1.	प्रकाशन स्थान	जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	मै. हरिहर प्रिन्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	मै. हरिहर प्रिन्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर
4.	प्रकाशक का नाम	राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर–302015
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 (राजस्थान)
5.	सम्पादक का नाम	डॉ. पी.सी. जैन
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 (राजस्थान)
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पता जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015

मैं राज्य सचिव एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

डॉ. पी.सी. जैन
प्रकाशक एवं सम्पादक के हस्ताक्षर

हमारे महापुरुष

सरोजिनी नायडू

भारत कोकिला

प्रस्तोता : स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

ऊँची उठती हूँ मैं, कि पहुँचू नियत झरने तक
टूटे ये पंख लिए, मैं चढ़ती हूँ ऊपर तारों तक।

तारों तक पहुँचने के लिए ऊपर उठने की यह भावना सरोजिनी नायडू के साथ सदैव रही। सन् 1946 में दिल्ली में आयोजित 'एशियन रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस' को सम्बोधित करते हुए उन्होंने इसी भाव को व्यक्त किया। उन्होंने कहा– 'हम आगे, और भी आगे, ऊँचे, और ऊँचे जायेंगे, जब तक हम तारों तक न पहुँच जाएं। आइए, तारों तक पहुँचने के लिए हम लोग बढ़ें।' उन्होंने कहा– 'हम चाँद के लिए चिल्लाते नहीं हैं। हम तो उसे आकाश में से तोड़कर ले आएंगे और एशिया की मुक्ति के ताज में उसे लगा कर पहन लेंगे।' हार कर हताश हो बैठने का उनका स्वभाव नहीं था। अपने निश्चित उद्देश्य तक पहुँचने के लिए वह केवल आगे बढ़ना चाहती थीं। कविताओं और जीवन, दोनों में ही सरोजिनी नायडू यही करती थीं।

जीवन परिचय

सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद में हुआ था। श्री अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और वरदा सुन्दरी की आठ संतानों में वह सबसे बड़ी थीं। अघोरनाथ चट्टोपाध्याय 'निज़ाम कॉलेज' के संस्थापक और रसायन वैज्ञानिक थे। वे चाहते थे कि उनकी पुत्री सरोजिनी अंग्रेजी और गणित में निपुण हों। परन्तु, सरोजिनी के लिए गणित के सवालों में मन लगाने के बजाय एक कविता लेख लिखना ज्यादा आसान था। सरोजिनी ने महसूस किया कि वह अंग्रेजी भाषा में भी आगे बढ़ सकती हैं और पारंगत हो सकती है। थोड़े ही परिश्रम के फलस्वरूप वे इसमें पारंगत भी हो गई। लगभग 13 वर्ष की आयु में सरोजिनी ने 1300 पदों की 'झील की रानी' नामक लंबी कविता और लगभग 2000 पंक्तियों का एक विस्तृत नाटक लिखकर अंग्रेजी भाषा पर अपना अधिकार सिद्ध कर दिया। डॉ. एम. गोविन्द राजलु नायडू से सरोजिनी का विवाह हुआ। सरोजिनी नायडू ने राजनीति और गृह प्रबंधन में संतुलन रखा।

राष्ट्रीय राजनीति में

देश की राजनीति में कदम रखने से पहले सरोजिनी नायडू दक्षिण अफ्रिका में गाँधी जी के साथ काम कर चुकी थी। गाँधी जी वहाँ की जातीय सरकार के विरूद्ध संघर्ष कर रहे थे और सरोजिनी नायडू ने स्वयंसेवक के रूप में उन्हें सहयोग दिया था। भारत लौटने के बाद तुरन्त ही वह राष्ट्रीय आंदोलन में सम्मिलित हो गई। शुरू से ही वह गाँधी जी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रति वफादार रहीं। उन्होंने अनेक शहरों और गाँवों में महिलाओं और आम सभाओं को सम्बोधित किया। युवावस्था में ही नहीं, बल्कि बड़ी उम्र

होने पर भी वह जोश और उत्साह के साथ काम करती रहीं। यह देखकर सब विस्मित रह जाते थे, उनके साथियों और प्रशंसकों को हैरानी होती थी कि इतनी अजेय शक्ति उन्होंने कहाँ से पाई है।

राज्यपाल

स्वाधीनता की प्राप्ति के बाद देश को उस लक्ष्य तक पहुँचाने वाले नेताओं के सामने अब दूसरा ही कार्य था। आज तक उन्होंने संघर्ष किया था, किन्तु अब राष्ट्र निर्माण का उत्तरदायित्व उनके कंधों पर आ गया। कुछ नेताओं को सरकारी तंत्र और प्रशासन में नौकरी दे दी गई थी। उनमें सरोजिनी नायडू भी एक थी, उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया। वह विस्तार और जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रांत था। उस पद को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं अपने को 'कैद कर दिये गये जंगल के पक्षी' की तरह अनुभव कर रही हूँ।'' लेकिन वह प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की इच्छा को टाल न सकीं जिनके प्रति उनके मन में गहन प्रेम व स्नेह था।

साहस की प्रतीक

सरोजिनी नायडू ने भय कभी नहीं जाना था और न ही निराशा कभी उनके समीप आई थी। वह साहस और निर्भीकता का प्रतीक थीं। पंजाब में सन् 1919 में जलियांवाला बाग में हुए

हत्याकांड एवं पाशविक अत्याचार से व्यथित होकर गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के मन में अग्र प्रतिक्रिया हुई और उन्होंने अपनी 'नाइट हुड' की पदवी लौटा दी। सरोजिनी नायडू ने भी अपना ''कैसर–ए–हिन्द'' का खिताब वापस कर दिया जो उन्हें सामाजिक सेवाओं के लिए कुछ समय पहले ही दिया गया था। अहमदाबाद में गाँधी जी के साबरमती आश्रम में स्वाधीनता की प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करने वाले आरंभिक स्वयंसेवकों में वह एक थीं।

नारी अधिकारों की समर्थक

सरोजिनी नायडू को विशेष रूप से राष्ट्रीय नेता और नारी–मुक्ति की समर्थक के रूप में याद किया जाता है। राष्ट्रीय नेता होने के कारण उन्हें हमेशा देश की राजनीतिक निर्भरता की चिन्ता रहती थी और एक नारी होने के कारण वह भारतीय नारी की दुखद स्थिति से परिचित थीं। नारी के प्रति हो रहे अन्यायों के विरूद्ध उन्होंने आवाज़ उठाई। नारियों को उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित रखने वाली सामाजिक व्यवस्था का उन्होंने विरोध किया। वह नारीवादी नहीं थीं लेकिन भारत की नारियों को जिन समस्याओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था उनका उन्हें पूरा–पूरा ख्याल था। नारियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था और बहुत–सी सामाजिक रूढ़ियों ने उन्हें जकड़ रखा था। सरोजिनी नायडू 'नारी मुक्ति आंदोलन' को भारत के स्वाधीनता संग्राम का एक हिस्सा ही समझती थीं। वह अपने शब्दों की पूर्ण शक्ति के साथ पुरूष और स्त्रियों, दोनों के बीच जाकर नारी शिक्षा की आवश्यकताओं पर जोर देती थी।

भारत कोकिला

सरोजिनी नायडू सुप्रसिद्ध कवयित्री और भारत देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थी। वह भारत के स्वाधीनता संग्राम में सदैव आगे रहीं। उनके संगी साथी उनसे शक्ति, साहस और ऊर्जा पाते थे। युवा शक्ति को उनसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती थी। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में ही इन्हें एक होनहार कवयित्री के रूप में प्रशंसा और प्रसिद्धि मिल चुकी थी, किन्तु वह स्वयं अपनी रचनाओं को बहुत ही साधारण मानती थीं। उन्होंने कहा– 'मैं सचमुच कोई कवि नहीं हूँ, मेरे सामने एक दर्शन है, मगर मेरे पास आवाज़ नहीं है।' उन्होंने स्वयं को केवल गीतों की गायिका बताया, किन्तु उनके गीत बहुत मधुर थे जो कोमल भावों और प्रेम की भावना से ओतप्रोत थे।

'श्रम करते हैं हम
कि समुद्र हो तुम्हारी जागृति का क्षण
हो चुका जागरण
अब देखो, निकला दिन कितना उज्ज्वल।'

ये पंक्तियाँ सरोजिनी नायडू की एक कविता से है, जो उन्होंने अपनी मातृभूमि को सम्बोधित करते हुए लिखी थी।

'द गोल्डन थ्रेशहोल्ड' की पंक्तियाँ हैं –

लिए बांसुरी हाथों में हम घूमें गाते–गाते
मनुष्य सब हैं बंधु हमारे, जग सारा अपना है।

सरोजिनी नायडू ने खुद के लिए कुछ भी कहा हो, भारतीय साहित्य में कवयित्री के रूप में उनका स्थान बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। उनके शब्दों में संगीत है, उनकी कविताएं सुन्दर प्रतीकों से भरी हैं। सच्चे दिल से वह भारत के श्रमिक वर्ग के लिए चिंतित रहा करती थीं। अपनी मातृभूमि को दासता से मुक्त करने का स्वप्न वह सदैव देखती रहीं, उनके मन में समस्त मानव जाति के लिए प्रेम था। उनकी कविताओं ने आधुनिक भारतीय साहित्य पर अपनी विशिष्ट छाप अंकित की है।

मृत्यु : सरोजिनी नायडू की जब 2 मार्च, 1949 को मृत्यु हुई तो उस समय वह राज्यपाल के पद पर थीं। उनका जीवन लाभदायक और परिपूर्ण था। उस जीवन से उन्हें आत्मसंतुष्टि प्राप्त हुई थी या नहीं यह तो कोई नहीं बता सकता लेकिन जितना उनके जीवन के बारे में जानते हैं उससे इतना तो जरूर कहा जा सकता है कि उन्होंने अपने जीवन को एक उद्देश्य दिया था और उसी के अनुरूप वह जीती रही थीं। उन्हें याद रखने का यही एक ढंग है– 'सरोजिनी नायडू जो प्रेम और गीत के लिए जीती रहीं।' जैसा गाँधी जी ने कहा था, सच्चे अर्थों में वह 'भारत कोकिला' थीं।

अपनी एक कविता में सरोजिनी नायडू ने मृत्यु को कुछ देर के लिए ठहर जाने को कहा था.....

मेरे जीवन की क्षुधा, नहीं मिटेगी जब तक
मत आना हे मृत्यु, कभी तुम मुझ तक।

हमारा स्वास्थ्य

योग के 10 फायदे

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

जहाँ एक तरफ योगासन मांस पेशियों को पुष्टता प्रदान करते हैं जिससे दुबला पतला व्यक्ति भी ताकतवर और बलवान बन जाता है वहीं दूसरी ओर योग के नित्य अभ्यास से शरीर से फैट भी कम हो जाता है। इस तरह योग कृष और स्थूल दोनों के लिए फायदेमंद है।

योग भारत की प्राचीन संस्कृति का गौरवमयी हिस्सा है जिसकी वजह से भारत सदियों तक विश्व गुरु रहा है। योग एक ऐसी सुलभ एवं प्राकृतिक पद्धति है जिससे स्वस्थ मन एवं शरीर के साथ अनेक आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं। जिस योग को ऋषि–मुनियों ने गुफाओं और कंदराओं में विकसित किया वह आज आम जन तक पहुँचा है। उसी योग को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक कदम आगे बढाकर विश्व पटल पर स्थापित कर दिया है।

अपनाएं योग रहें निरोग

यह योग में विश्व का दृढ विश्वास ही है की जिसकी वजह से 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाये जाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखे गये प्रस्ताव को 177 देशो ने अत्यंत सीमित समय में पारित कर दिया।

योग क्या है ?

योग शब्द संस्कृत की 'युज' धातु से बना है जिसका अर्थ है जोड़ना यानि शरीर, मन और आत्मा को एक सूत्र में जोड़ना। योग के महान ग्रन्थ 'पतंजलि योग दर्शन' में योग के बारे में कहा गया है–

''योगश्च चित्तवृत्ति निरोधः''

अर्थात मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है।

गीता में कहा गया है –

योगः कर्मसु कौशलम।

यानि कर्मों में कौशल या दक्षता ही योग है।

योग के १० फायदे

1) योग का प्रयोग शारीरिक, मानसिक और आध्यत्मिक लाभों के लिए हमेशा से होता रहा है। आज की चिकित्सा शोधों ने ये साबित कर दिया है की योग शारीरिक और मानसिक रूप से मानव जाति के लिए वरदान है।

2) जिम आदि से शरीर के किसी खास अंग का ही व्यायाम होता है वहीं योग से शरीर के समस्त अंग प्रत्यंगों, ग्रंथियों का व्यायाम होता है जिससे वे सभी सुचारू रूप से कार्य करने लगते हैं।

3) योगाभ्यास से रोगों से लड़ने की शक्ति बढती है। बुढ़ापे में भी जवान बने रह सकते हैं त्वचा पर चमक आती है शरीर स्वस्थ, निरोग और बलवान बनता है।

4) जहाँ एक तरफ योगासन मांस पेशियों को पुष्टता प्रदान करते हैं जिससे दुबला पतला व्यक्ति भी ताकतवर और बलवान बन जाता है वहीं दूसरी ओर योग के नित्य अभ्यास से शरीर से फैट भी कम हो जाता है। इस तरह योग कृष और स्थूल दोनों के लिए फायदेमंद है।

5) योगासनों के नित्य अभ्यास से मांसपेशियों का अच्छा व्यायाम होता है। जिससे तनाव दूर होकर अच्छी नींद आती

है, भूख अच्छी लगती है, पाचन सही रहता है।

6) प्राणायाम के लाभ – योग के अंग प्राणायाम एवं ध्यान भी योगासनों की तरह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। प्राणायाम के द्वारा श्वास प्रश्वास की गति पर नियंत्रण होता है जिससे श्वसन संस्थान सम्बन्धित रोगों में बहुत फायदा मिलता है। दमा, एलर्जी, साइनोसाइटिस, पुराना नजला, जुकाम आदि रोगों में तो प्राणायाम बहुत फायदेमंद है ही साथ ही इससे फेफड़ों की ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता बढ़ जाती है जिससे शरीर की कोशिकाओं को ज्यादा ऑक्सीजन मिलने लगती है जिसका पूरे शरीर पर सकारात्मक असर पड़ता है।

7) ध्यान के लाभ – ध्यान भी योग का अति महत्वपूर्ण अंग है। आजकल ध्यान यानि मेडिटेशन का प्रचार हमारे देश से भी ज्यादा विदेशों में हो रहा है। आज की भौतिकता वादी संस्कृति में दिन रात भाग दौड़, काम का दबाव, रिश्तों में अविश्वास आदि के कारण तनाव बहुत बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में मेडिटेशन से बेहतर और कुछ नहीं है। ध्यान से मानसिक तनाव दूर होकर गहन आत्मिक शांति महसूस होती है, कार्य शक्ति बढती है, नींद अच्छी आती है। मन की एकाग्रता एवं धारणा शक्ति बढ़ती है।

8) योग से ब्लड शुगर का लेवल घटता है और ये बैड कोलेस्ट्रोल को भी कम करता है। डायबिटीज रोगियों के लिए योग बेहद फायदेमंद है।

9) कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ योगासनों और मेडिटेशन के द्वारा आर्थराइटिस, बैक पेन आदि दर्द में काफी सुधार होता है और दवा की जरुरत कम होती जाती है।

10) योग शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ता है और दवाओं पर आपकी निर्भरता को घटाता है। बहुत से अध्ययनों में साबित हो चुका है कि अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर, टाइप २ डायबिटीज के मरीज योग द्वारा पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं।

संक्षेप में कहें तो योग केवल शारीरिक व्यायाम करने या रोगों को दूर करने वाली क्रिया नहीं है बल्कि जीवन को बेहतर बनाने वाली एक जीवन पद्धति है।

21 जून को मनाये जा रहे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस International Yoga Day की आप सभी को ढेरों शुभकामनाएं। चलिए अपने जीवन को सफल एवं सार्थक बनाने के लिए हम सब योग अपनाएं।

स्काउटिंग एक खेल

विष्णु कुमार गुप्ता
हिमालय वुड बैज स्काउटर

स्काउटिंग एक खेल है जिसे खेल की भावना व भाईचारे की भावना से खेला जाता है। छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें स्काउट/गाइड बनाना अति आवश्यक है। इसके माध्यम से बालकों में चारीत्रिक, शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक अर्थात् सर्वांगीण विकास होता है। स्काउट/गाइड नियम प्रतिज्ञा के माध्यम से बालकों को खेल–खेल में शिक्षा दी जाती है।

ईश्वर, देश, समाज, स्वयं एवं मानव मात्र के लिए एक नागरिक का क्या कर्त्तव्य है? इसका बोध स्काउटिंग के माध्यम से कराया जाता है। बालक स्वयं को देश के प्रति समर्पित कर सके, मानव मात्र के काम आ सके, इसके लिए बालकों को सुनागरिकता का प्रशिक्षण दिया जाता है।

स्काउटिंग में प्रशिक्षण एवं खेलों का बडा महत्व माना गया है। बिना खेलों के स्काउटिंग का ज्ञान अधूरा सा रह जाता है। एक प्रशिक्षक का उत्तरदायित्व बनता है कि जो भी दिन में प्रशिक्षण बालकों को दिया है–शाम के समय खेल के मैदान में उस प्रशिक्षण का मूल्यांकन खेल के माध्यम से करे। चाहे मानचित्र प्रशिक्षण हो, फर्स्ट–एड प्रशिक्षण हो, पायनियरिंग प्रशिक्षण हो या अनुमान लगाना। सभी का खेल के माध्यम से मूल्यांकन किया जा सकता है।

प्रातःकाल व्यायाम के समय दौड़ भाग के खेल एवं सायंकाल में बौद्धिक विकास के खेल बालकों को शारीरिक व मानसिक वृद्धि प्रदान करते है। खेलों के माध्यम से बालक आनन्द प्राप्त करता है, मनोरंजन करता है, साथ ही उसका शारीरिक विकास भी होता है। अनुशासन, ईमानदारी, मर्यादा, नेतृत्व आदि गुणों का विकास बालकों में खेलों के माध्यम से होता है। इसीलिए स्काउटिंग में प्रातः व सायं के समय खेलों को स्थान दिया जाता है।

स्काउटिंग मे दिन में ही नहीं अपितु रात्रि मे भी विभिन्न प्रकार के खेल खिलाए जाते है। वाइडगेम रात्रि खेल साहसिक गतिविधियों के खेल के माध्यम से बालकों के साहस व चातुर्यता को परखा जाता है। ज्ञानेन्द्रियों को विकसित करने एवं बौद्धिक परीक्षण के लिए 'किम गेम' के नाम से खेल खिलाये जाते है, जो बालकों को बडे ही रोचक लगते हैं तथा वे इनमें भरपूर आनन्द प्राप्त करते हैं।

अतः हम कहते है कि स्काउटिंग एक खेल हैं, जिसके माध्यम से बालक स्वयं के सर्वांगीण विकास तथा सुनागरिकता का प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

पर्यटन स्थल

जयसमन्द झील

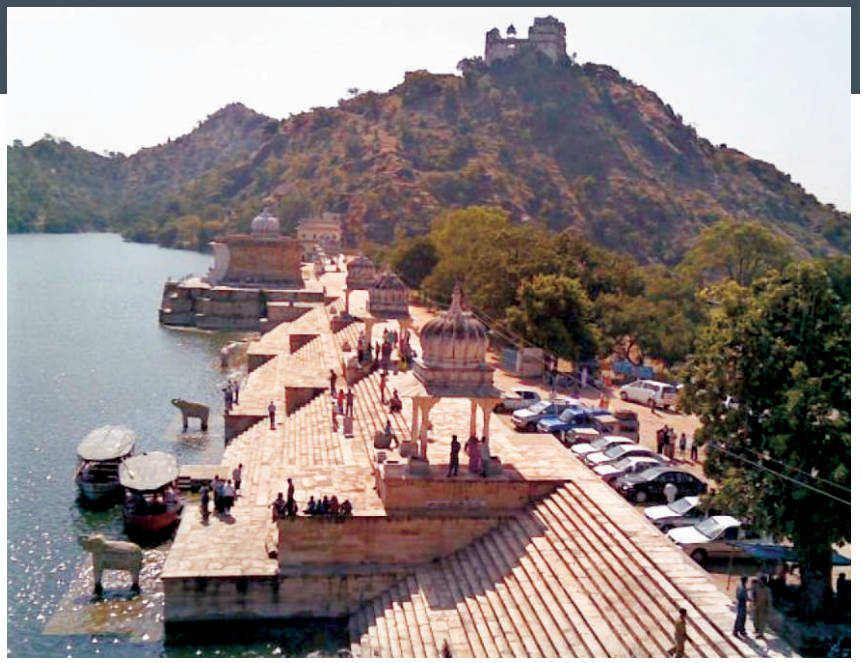

जयसमन्द झील या 'ढेबर झील' राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इस झील को एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झील होने का दर्जा प्राप्त है। यह उदयपुर ज़िला मुख्यालय से 51 कि.मी. की दूरी पर दक्षिण–पूर्व की ओर उदयपुर–सलूम्बर मार्ग पर स्थित है। अपने प्राकृतिक परिवेश और बाँध की स्थापत्य कला की खूबसूरती से यह झील वर्षों से पर्यटकों के आकर्षण का महत्वपूर्ण स्थल बनी हुई है।

इतिहास

उदयपुर के तत्कालीन महाराणा जयसिंह द्वारा 1687 एवं 1691 ईसवी के मध्य 14 हज़ार 400 मीटर लंबाई एवं 9 हज़ार 500 मीटर चौड़ाई में निर्मित यह कृत्रिम झील एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी का स्वरूप मानी जाती है। दो पहाड़ियों के बीच में ढेबर दर्रा को कृत्रिम झील का स्वरूप दिया गया और महाराणा जयसिंह के नाम पर इसे 'जयसमन्द' कहा जाने लगा। बताया जाता है कि कुछ वर्षों पूर्व इस झील में नौ नदियों एवं आधा दर्जन से भी अधिक नालों से जल आता था, लेकिन अब मात्र गोमती नदी और इसकी सहायक नदियों और कुछ नालों से ही जल का आगमन हो पाता है।

बाँध का निर्माण

ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार यह भी बताया जाता है कि झील में पानी लाने वाली गोमती नदी पर महाराणा जयसिंह ने 375 मीटर लंबा एवं 35 मीटर ऊँचा बाँध बनवाया था, जिसके तल की चौड़ाई 20 मीटर एवं ऊपर से चौड़ाई पाँच मीटर है। बाँध का निर्माण बरवाड़ी की खानों के सफ़ेद सुमाजा पत्थर से कराया गया है। झील की मजबूती के लिहाज से दोहरी दीवार बनाई गई है। सुरक्षा की दृष्टि से बाँध से क़रीब 100 फीट की दूरी पर 396 मीटर लंबा एवं 36 मीटर ऊँचा एक और बाँध बनवाया गया। महाराणा सज्जन सिंह एवं फतह सिंह के समय में इन दो बाँधों के बीच के भाग को भरवाया गया और समतल भूमि पर वृक्षारोपण किया गया।

स्थापत्य

स्थापत्य कला की दृष्टि से बना बाँध अपने आप में आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। झील की तरफ़ के बाँध पर कुछ–कुछ दूरी पर बनी छह खूबसूरत छतरियाँ पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। गुम्बदाकार छतरियाँ पानी की तरफ़ उतरते हुए बनी हैं। इन छतरियों के सामने नीचे की ओर तीन–तीन बेदियाँ बनाई गई हैं। सबसे नीचे की बेदियों पर सूंड को ऊपर किए खड़ी मुद्रा में पत्थर की कारीगरी पूर्ण कलात्मक मध्यम कद के छह हाथियों की प्रतिमा बनाई गई है। यहीं पर बाँध के सबसे उँचे वाले स्थान पर महाराणा जयसिंह द्वारा भगवान शिव को समर्पित 'नर्मदेश्वर महादेव' का कलात्मक मंदिर भी बनाया गया है।

एशिया की संभवतः सबसे बड़ी कृत्रिम झील बाँध के उत्तरी छोर पर महाराणा फ़तह सिंह द्वारा निर्मित महल है, जिन्हें अब विश्रामगृह में तब्दील कर दिया गया है। दक्षिणी छोर पर बने महल 'महाराज कुमार के महल' कहे जाते थे। दक्षिण छोर की पहाड़ी पर महाराणा जय सिंह द्वारा बनाए गए महल का जीर्णोद्धार महाराणा सज्जन सिंह के समय कराया गया था। उन्होंने इस झील के पीछे 'जयनगर' को बसाकर कुछ इमारतें एवं बावड़ी का निर्माण करवाया था, जो आबाद नहीं हो सके। आज यहाँ निर्माण के कुछ अवशेष ही नजर आते हैं।

आकर्षक पर्यटन स्थल

जयसमन्द झील पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केन्द्र बन गई है। झील के अंदर बांध के सम्मुख एक टापू पर पर्यटकों की सुविधा के लिए 'जयसमन्द आइलेंड' का निर्माण एक निजी फर्म द्वारा कराया गया है। यहाँ तक पहुँचने के लिए नौका का संचालन किया जाता है। नौका से झील में घूमना अपने आप में अनोखा सुख का अनुभव देता है। जयसमन्द झील के निकट वन एवं वन्यजीव प्रेमियों के लिए वन विभाग द्वारा वन्यजीव अभयारण्य भी बनाया गया है। यहाँ एक मछली पालन का अच्छा केन्द्र भी है। झील की खूबसूरती और प्राकृतिक परिवेश की कल्पना इसी से की जा सकती है कि अनेक फ़िल्मकारों ने अपनी फ़िल्मों में यहाँ के दृश्यों को कैद किया है। सड़क के किनारे सघन वनस्पति एवं वन होने से उदयपुर से जयसमन्द झील पहुँचना भी अपने आप में किसी रोमांच से कम नहीं है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'अन्वेषक/खोजी एवं नागरिक सुरक्षा' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

अन्वेषक/खोजी
EXPLORER

युवा पीढ़ी में अनेक प्रकार की जिज्ञासा रहती है। वह अपने आस–पास की भौगोलिक स्थिति, वनस्पतियों, नदी–नालों, ऐतिहासिक स्थलों आदि के बारे में बहुत कुछ जानने के लिए लालायित रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है –

(1) निम्नलिखित विशेष उद्देश्यों के आधार पर अपने, क्षेत्र या अपने घर अथवा दल के मुख्यालय के निकट चारों ओर कम–से–कम 5 कि.मी. अर्द्धव्यास के क्षेत्र में 12 माह के समय में निम्न में से किसी एक विषय पर खोज की हो–

(1) पूर्व वाले या वर्तमान के मानचित्र में प्रदर्शित पगडंडियों, मार्गों, जलमार्गों को खोजे और उनकी वर्तमान स्थिति और दशा की सूचना दे सकें।

(2) क्षेत्र के उद्योगों, कृषि की प्रकृति, कृषि योग्य या गोचर भूमि का अनुमान लगाए और इस भूमि की वर्तमान उपयोगिता की पूरी रिपोर्ट तैयार करें।

(3) अपने क्षेत्र के इतिहास के बारे में पूरा विवरण तैयार करें जिसमें विशेष रूचि वाले स्थानों की प्राचीन वस्तुओं तथा उन्हें विज्ञापनों आदि से किस सीमा तक विकृत किया गया है, का विवरण दें।

(4) इस क्षेत्र में सामान्य रूप से पाए जाने वाले वृक्षों, फूलों, पक्षियों तथा पशुओं के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अथवा

(2) कम–से–कम 8 कि.मी. दूरी तक नाव चलाने योग्य किसी नदी या नहर की, ज्वार–भाटे की जानकारी सहित, पूरी जानकारी रखे, धाराएँ, रेतीले या दलदली किनारों जहाँ पर ज्वार–भाटा सबसे अधिक प्रभावकारी होता है, नाव ठहराने के स्थल (लंगर डालने की जगह), स्थानीय नियम और परम्पराएँ, स्थानीय सड़क–नियम व सफाई के नियम जिनका प्रभाव स्काउट्स द्वारा जल मार्गों को प्रयोग में लाने पर पड़ता है (जैसे–नहाने के लिए प्रतिबन्ध, नदी प्रदूषित होने से रोकना आदि), की जानकारी रखें और जानें कि विशेष खतरा कहाँ–कहाँ पर है।

(3) क्षेत्र में, नावों के लंगर डालने के स्थान के निकट दो शिविर स्थलों को जानें तथा उनके मालिकों के नाम एवं पते के साथ–साथ पीने के पानी की उपलब्धता की भी जानकारी हो।

टिप्पणी :– प्रत्येक संदर्भ में उसे अपनी खोज सम्बन्धी यात्रा की लॉग–बुक प्रस्तुत करनी चाहिए। इसमें दूरी व कि.मी. और यथा सम्भव स्पष्टीकरण के लिए चित्र व नक्शे आदि भी हों।

नागरिक सुरक्षा
CIVIL DIFENCE

नागरिक सुरक्षार्थ विविध प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नागरिक सुरक्षा दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

(1) अपने मोहल्ले या क्षेत्र में तथा अपने निवास स्थान विद्यालय या कार्यालय की 1 कि.मी. अर्द्धव्यास के घेरे में उपलब्ध 'नागरिक सुरक्षा सेवाओं' यथा–वार्डन का नाम, वार्डन पोस्ट, प्राथमिक सहायता केन्द्र, औषधालयों, अस्पतालों और अन्य ए.आर.पी. सेवाओं (एयर रेड प्रिकाशनरी सेवाओं) अर्थात 'हवाई हमले से सुरक्षात्मक सेवाएँ', जो भी उस क्षेत्र में उपलब्ध हों, उनकी विस्तृत जानकारी हो।

(2) आपातकालीन स्थिति के समय 'सूचना–प्रपत्र' को सही ढंग से भरना जाने और संबंधित वार्डन को लिखित सूचना भेजना जाने।

(3) हवाई हमले और अन्य आपातकालीन स्थिति में फँसे लोगों को संकट से बचाने के लिए प्राथमिक सहायता उपचार और दुर्घटना से बचाव के तरीकें जाने।

(4) आग बुझाने के कम–से–कम दो तरीकों को जानें।

(5) अपने मोहल्ले या क्षेत्र में स्थित नागरिक सुरक्षा संगठन में अपनी सेवाओं के पंजीकरण का तथा निम्नलिखित 'नागरिक सुरक्षा सेवाओं' में से किसी एक में प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें–

(1) अग्नि शमन दस्ता (2) प्राथमिक सहायता दल
(3) सन्देश वाहक दल (4) दूर–संचार सेवा दल।

(6) क्षतिग्रसत (ध्वस्त) मकानों में से व्यक्तियों को बचाने का तरीका जाने।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

	स्थान	तिथियां
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रति माह
स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रति माह
MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 5)	जिला स्तर	प्रति माह
नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियां	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
द्वितीय/तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर	01 से 05.02.2025
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	02 से 08.02.2025
उर्स मेला अजमेर	मण्डल स्तर पर	03 से 09.02.2025
द्वितीय/तृतीय सोपान जांच शिविर	स्थानीय संघ स्तर	06 से 08.02.2025
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	11 से 17.02.2025 तक
राज्य पुरस्कार समारोह	जगतपुरा, जयपुर	20 से 23.02.2025

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Diamond Jubilee Jamboree	28 Jan. - 03 Feb. 2025	Trichy, Tamilnadu
26th International Adventure Programme	02 - 08 March 2025	NTC, Pachmarhi
Regional Level Ball Mahotsav for Cub-Bulbul	04 - 08 March 2025	Ridmalsar, Bikaner (Raj.)
Re-Orientation Course for Trainers (Guide Wing)	11 - 15 March 2025	NTC, Pachmarhi
Guide Conference 2025	27 - 31 March 2025	Sangam, Pune

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Winter Adventure 2025	06 Jan.- 30 March,2025	Chalet Switzerland
(Choose 4, 6 or 8 Nights of any week From January to March 2025)		
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र-विथिका

कोटा में आयोजित युवा दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि
शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार श्री मदन जी दिलावर गाइड्स व कार्यकर्ताओं के साथ

रामेश्वरम् तमिलनाडू में आयोजित राष्ट्रीय रोवर मूट–रेंजर मीट में मेसेंजर ऑफ पीस गतिविधि में सहभागिता करते प्रदेश के रोवर रेंजर

पुष्कर–अजमेर में आयोजित राज्य स्तरीय रोवर मूट–रेंजर मीट में मेसेंजर ऑफ पीस गतिविधि में सहभागिता करते रोवर रेंजर एवं संचालक

अलवर में स्काउट्स व गाइड्स के संग पर्यावरण वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
श्री संजय शर्मा द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/